RNI No. RAJHIN/2010/31619
Post.Reg No. sikar/041/2016-2018

दैनिक नवयत्न

केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

खबरें सड़क से संसद तक

वर्ष: 17 | अंक 106 | सीकर, रविवार 14 जून 2026 | Email : navyatndainik@gmail.com | मूल्य 1 रुपया | पृष्ठ 8

राजस्थान कांग्रेस का 'डोटासरा मॉडल' बना राष्ट्रीय मिसाल

राहुल-खड़गे ने की सराहना गूंजे डोटासरा

सुरेंद्र शर्मा

सीकर (नवयत्न)। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा के नेतृत्व में राजस्थान कांग्रेस का संगठनात्मक ढांचा अब राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बन गया है। हाल ही में दिल्ली में एआईसीसी की बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने राजस्थान कांग्रेस के कार्यों की जमकर तारीफ की, तो वहीं किशनगढ़ में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी प्रदेश इकाई की सक्रियता और संगठनात्मक मजबूती की प्रशंसा की।

इससे पूर्व 28 अप्रैल 2025 को जयपुर में आयोजित संविधान बचाओ रैली के दौरान भी राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे ने राजस्थान कांग्रेस संगठन के कार्यों की सराहना की थी । रामनिवास बिडोदी विधानसभा समन्वयक,राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने कहा की प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डोटासरा की सबसे बड़ी उपलब्धि राजस्थान के 52 हजार से अधिक पोलिंग बूथों तक कांग्रेस संगठन को सक्रिय करना रही है। बूथ स्तर पर बीएलए नियुक्त करने से लेकर जिला, ब्लॉक और बूथ स्तर की कार्यकारिणियों के गठन तक – यह वह कार्य है जिसे वर्षों से केवल चर्चा में रखा गया था, लेकिन डोटासरा के नेतृत्व में इसे जमीनी स्तर पर उतारा गया।

दो दशक बाद मिली बड़ी सफलता

इस मजबूत संगठन का असर चुनावी परिणामों में भी दिखा। लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन को राजस्थान में 11 सीटों पर जीत मिली, जिसमें कांग्रेस के खाते में 8 सीटें आईं ङ्क लगभग दो दशक बाद ऐसा प्रदर्शन किया। विधानसभा चुनाव में भी कांग्रेस ने भाजपा को कड़ी टक्कर दी।

नेता प्रतिपक्ष के साथ बेहतर तालमेल

डोटासरा की एक और बड़ी सफलता विधायक दल के साथ समन्वय बनाए रखना रहा। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जुली और डोटासरा के बीच बेहतर तालमेल से विपक्ष को मजबूती मिली और कई जनहित के मुद्दों पर सत्तापक्ष प्रभावी ढंग से घिरा।

राजस्थान मॉडल को देशभर में अपनाने की तैयारी

राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि कांग्रेस नेतृत्व 'राजस्थान मॉडल' को देश के अन्य राज्यों में भी लागू करने पर विचार कर रहा है, ताकि संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाया जा सके। डोटासरा अब केवल प्रदेशाध्यक्ष नहीं, बल्कि संगठन निर्माण, कार्यकर्ता सम्मान और राजनीतिक प्रतिबद्धता की मिसाल बन चुके हैं, जिनके काम की गूंज राजस्थान से दिल्ली तक सुनाई दे रही है।

एयरफोर्स का ट्रांसपोर्ट विमान क्रैश पायलट समेत 5 की मौत

इनमें राजस्थान-बिहार के अग्निवीर शामिल; लैंडिंग के दौरान आग लगी, दो हिस्सों में टूटा

जोरहाट।

असम में जोरहाट के रौरिया इंडियन एयरबेस पर शनिवार सुबह 10 बजे लैंडिंग के दौरान वायुसेना का विमान क्रैश हो गया। हादसे में पायलट समेत 5 जवानों की मौत हो गई। इनमें स्क्वाड्रन लीडर प्रशांत सिंह, फ्लाइट लेफ्टिनेंट शुभम कुमार, सार्जेंट जितेंद्र शर्मा, अग्निवीरवायु खेमाराम कुमावत और अग्निवीरवायु दानिश आलम शामिल हैं।

दानिश बिहार के तो खेमाराव राजस्थान के रहने वाले थे। एक को-पायलट घायल हो गया है। हादसा उस समय हुआ, जब विमान एयरबेस पर उतरने की कोशिश कर रहा था। हादसे के बाद उसमें आग लग गई और दो हिस्से में टूट गया। यह ह्न-32 मालवाहक विमान था, जिसका इस्तेमाल सैनिकों और सामान की ढुलाई के लिए किया जाता है। हादसे की वजह सामने नहीं आई है।

इंडियन एयरफोर्स ने बताया कि विमान रुटीन उड़ान पर था। साथ ही अपील कि शुरुआती नतीजे आने तक कोई अंदाजा न लगाएं। कोर्ट ऑफ इंक्वायरी के आदेश दे दिए हैं।

एयरफोर्स का विमान क्रैश में राजस्थान के अग्निवीर शहीद

घर में चल रही थी शादी की बातचीत; दो भाई सीआरपीएफ में तैनात

नागौर। असम में जोरहाट के रौरिया इंडियन एयरबेस पर शनिवार सुबह 10 बजे लैंडिंग के दौरान वायुसेना का विमान क्रैश हो गया। हादसे में राजस्थान के डीडवाना-कुचामन जिले के पांचोता गांव के अग्निवीर वायु सैनिक खेमाराम कुमावत (22) शहीद हो गए। खेमाराम ने दिसंबर 2022 में जॉइन किया था। ादसे में कुमावत के अलावा पायलट समेत 5 जवानों की मौत हो गई। इनमें स्क्वाड्रन लीडर प्रशांत सिंह, फ्लाइट लेफ्टिनेंट शुभम कुमार, सार्जेंट जितेंद्र शर्मा, अग्निवीरवायु खेमाराम कुमावत और अग्निवीरवायु दानिश आलम शामिल हैं। एक को-पायलट घायल हो गया है। इधर, खेमाराम की शहादत की जानकारी मिलते ही पांचोता सहित पूरे इलाके में मातम पसर गया। परिजन लगातार वायु सेना के अफसरों के संपर्क में हैं। ममेरे भाई महेश कुमावत ने बताया कि खेमाराम का अग्निवीर कार्यकाल जल्द ही पूरा होने वाला था। परिवार में उनकी शादी को लेकर बातचीत चल रही थी। महेश कुमावत ने बताया कि किसान पिता घर पर ही रहते हैं। बड़ा भाई राजेंद्र कुमार सिविल इंजीनियर है। उससे छोटा भाई गोविंदराम सीआरपीएफ में चेन्नई एयरपोर्ट पर पोस्टेड है। खेमाराम का छोटा भाई मनोज कुमावत सीआरपीएफ में हेड कॉन्स्टेबल है, जिसकी पोस्टिंग प्रयागराज (उत्तर प्रदेश) में हैं। एक छोटी बहन भी है, जो फिलहाल कॉम्पिटिशन एग्जाम की तैयारी कर रही है।

डीआरडीओ की बड़ी सफलता, तीन फ्लाइट टेस्ट के जरिए दिखाई उन्नत रक्षा क्षमता

नई दिल्ली

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने देश की रक्षा तैयारियों को और अधिक सुदृढ़ करते हुए कई महत्वपूर्ण रक्षा तकनीकों का सफल प्रदर्शन किया है। संगठन ने 10 और 11 जून 2026 को लगातार तीन फ्लाइट टेस्ट सफलतापूर्वक संपन्न किए, जिनका उद्देश्य लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों के खिलाफ मल्टी-लेयर्ड रक्षा क्षमता और मध्यम दूरी की एंटी-शिप क्षमता का प्रदर्शन करना था।

बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस प्रणाली का सफल प्रदर्शन

डीआरडीओ ने मल्टी-लेयर्ड बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस (बीएमडी) क्षमता का सफल प्रदर्शन किया, जिसमें इंटरसेप्टर मिसाइलों ने अपने निर्धारित लक्ष्यों को सटीकता के साथ भेद दिया। इन प्रणालियों को मिसाइल से जुड़े नए और उभरते खतरों का सामना करने के लिए अत्याधुनिक तकनीकों के साथ डिजाइन और विकसित किया गया है।

आईसीबीएम अवरोधन क्षमता वाले देशों की श्रेणी में भारत

इन सफल परीक्षणों के साथ भारत उन चुनिंदा देशों के समूह में शामिल हो गया है, जिनके पास अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइलों (आईसीबीएम) तक को रोकने में सक्षम बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस प्रणाली मौजूद है। यह उपलब्धि देश की रणनीतिक रक्षा क्षमता को नई मजबूती प्रदान करती है।

नौसेना की एंटी-शिप मिसाइल का पहला सफल फ्लाइट टेस्ट

परीक्षणों के दौरान नौसेना की मध्यम दूरी की एंटी-शिप मिसाइल (एनएएसएम-एमआर) का पहला फ्लाइट टेस्ट भी सफलतापूर्वक किया गया। इस परीक्षण ने समुद्री सुरक्षा और नौसैनिक युद्धक क्षमता के क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भर रक्षा तकनीक को नई पहचान दी।

वरिष्ठ अधिकारियों ने किया परीक्षणों का अवलोकन

इन महत्वपूर्ण परीक्षणों का अवलोकन डीआरडीओ और भारतीय रक्षा बलों के वरिष्ठ अधिकारियों ने किया। परीक्षणों के सफल परिणामों ने देश की स्वदेशी रक्षा तकनीक और अनुसंधान क्षमताओं को मजबूती प्रदान की है।

लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ अगले आर्मी चीफ होंगे

जनरल उपेंद्र द्विवेदी की जगह लेंगे

नई दिल्ली।

लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ देश के अगले आर्मी चीफ होंगे। केंद्र सरकार ने शनिवार को चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ के लिए उनकी नियुक्ति की मंजूरी दी। सेठ मौजूदा आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी की जगह लेंगे, जिनका कार्यकाल 30 जून को खत्म होगा।

उसी दिन सेठ भारत के 31वें आर्मी चीफ का पद संभालेंगे। वे अभी उप सेना प्रमुख के पद पर हैं। उन्होंने दो महीने पहले, 1 अप्रैल को यह पद संभाला था। उप सेना प्रमुख भारतीय सेना के दूसरे सबसे बड़े अधिकारी होते हैं।

बतौर उप सेना प्रमुख धीरज सेठ आर्मी चीफ के साथ मिलकर सेना के कामकाज, सैन्य तैयारियों और नई तकनीक को शामिल करने जैसे अहम काम देखते हैं। सेना के संचालन और व्यवस्थाओं को बेहतर तरीके से चलाने की जिम्मेदारी भी उनके पास होती है।

40 साल के दौरान कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभालीं

दिसंबर 1986 में आर्मर्ड कोर में कमीशन पाने वाले लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ को भारतीय सेना में लगभग चार दशक का अनुभव है। उन्होंने जम्मू-कश्मीर, पश्चिमी सीमा और रेगिस्तानी इलाकों समेत कई संवेदनशील क्षेत्रों में अहम जिम्मेदारियां निभाई हैं। धीरज सेठ दक्षिण-पश्चिमी कमान और दक्षिणी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ (त्नह्रष्ट-द्बठ्ठ-ष्ट) रह चुके हैं। वे उन चुनिंदा अधिकारियों में शामिल हैं, जिन्होंने पश्चिमी मोर्चे पर दो प्रमुख ऑपरेशनल कमानों का नेतृत्व किया है। इसके अलावा उन्होंने अंगोला में संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन, सेना मुख्यालय और सेना के क्षमता विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण पदों पर भी सेवा दी है।

भारत की अध्यक्षता में 'ब्रिक्स इंदौर डिक्लेरेशन' जारी वैश्विक कृषि सहयोग का नया रोडमैप तैयार

नई दिल्ली

भारत की अध्यक्षता में इंदौर में आयोजित ब्रिक्स देशों की कृषि मंत्रिस्तरीय और अधिकारी स्तरीय बैठकों का समापन सर्वसम्मत 'ब्रिक्स इंदौर डिक्लेरेशन' के साथ हुआ। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी जानकारी देते हुए कहा कि वैश्विक संकट और अनिश्चितताओं के दौर में यह घोषणा-पत्र खाद्य सुरक्षा, किसान कल्याण, जलवायु-अनुकूल खेती, कृषि व्यापार और डिजिटल कृषि के क्षेत्र में वैश्विक सहयोग को नई दिशा देगा।

ब्रिक्स देशों की सामूहिक शक्ति का प्रदर्शन

शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि मंत्री स्तरीय और अधिकारी स्तरीय दोनों बैठकें सफलतापूर्वक संपन्न हुईं, जिनमें सदस्य और सहयोगी देशों के लगभग 60 विदेशी प्रतिनिधियों सहित करीब 100 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स देश दुनिया की लगभग आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं, वैश्विक कृषि भूमि का करीब 42त्न हिस्सा इनके पास है और विश्व खाद्यान्न उत्पादन में भी इनका योगदान लगभग 42त्न है। ऐसे में इन देशों की सामूहिक पहल वैश्विक कृषि व्यवस्था पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकती है।

खाद्य सुरक्षा, व्यापार और जलवायु पर रहा फोकस

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि बैठकों में चार प्रमुख विषयों पर व्यापक चर्चा हुई, जिनमें खाद्य एवं पोषण सुरक्षा, कृषि व्यापार और सहयोग, जलवायु परिवर्तन के बीच सतत एवं रीजेनेरेटिव खेती तथा कृषि क्षेत्र में नवाचार और तकनीक को बढ़ावा देना शामिल है। उन्होंने कहा कि किसान, विशेषकर छोटे और सीमांत किसान, पूरी चर्चा के केंद्र में रहे।

'इंदौर डिक्लेरेशन' बना किसान-केंद्रित वैश्विक घोषणापत्र

शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि सर्वसम्मति से स्वीकार किए गए 'इंदौर डिक्लेरेशन' का मूल केंद्र किसान है। इसमें खाद्य सुरक्षा, पोषण, कृषि व्यापार, नवाचार, निवेश, जलवायु-सहनीय खेती और सतत कृषि विकास को बढ़ावा देने की साझा प्रतिबद्धता दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि यह केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि ब्रिक्स देशों की सामूहिक इच्छाशक्ति और जिम्मेदारी का प्रतीक है।

प्राकृतिक खेती के लिए बनेगा उत्कृष्टता केंद्रों का नेटवर्क

ब्रिक्स देशों ने 'ब्रिक्स नेटवर्क ऑफ सेंटर्स ऑफ एक्सीलेंस ऑन एग्रो-इकोलॉजी एंड रीजेनेरेटिव एग्रीकल्चर' स्थापित करने पर सहमति जताई है। इसके माध्यम से प्राकृतिक, जैविक और पुनर्योजी कृषि पद्धतियों पर संयुक्त अनुसंधान, प्रशिक्षण और अनुभव साझा किए जाएंगे। भारत की ओर से मोदीपुरम स्थित भारतीय कृषि प्रणाली अनुसंधान संस्थान इस पहल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

डिजिटल कृषि को बढ़ावा देगा नया नेटवर्क

बैठक में 'ब्रिक्स नेटवर्क ऑन डिजिटल एग्रीकल्चर' की स्थापना का भी निर्णय लिया गया। यह नेटवर्क आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, भू-स्थानिक तकनीक, डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर और डेटा आधारित कृषि समाधानों पर सहयोग को बढ़ावा देगा। इसका समन्वय भारत में आईआईटी दिल्ली द्वारा किया जाएगा।

ईरान बोला- अमेरिका से शांति समझौता नहीं होगा

अभी इसकी तारीख तय नहीं; पाकिस्तान ने कहा था 24 घंटे में डील हो सकती है

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी

ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा है कि अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते पर रविवार को हस्ताक्षर नहीं होंगे। उन्होंने कहा कि यह समझौता अगले कुछ दिनों में हो सकता है, लेकिन अभी इसकी तारीख तय नहीं है।

बघाई के मुताबिक, पाकिस्तान की मध्यस्थता से तैयार हो रहे इस समझौते का मकसद सिर्फ युद्ध खत्म करना है। इसमें फिलहाल परमाणु मुद्दे पर कोई बात नहीं होगी। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका का रुख बार-बार बदलता रहा है, इसलिए समझौते को लेकर अभी सावधानी बरतने की जरूरत है। इससे पहले पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ ने दावा किया है कि अमेरिका और ईरान के बीच अगले 24 घंटे में शांति समझौता हो सकता है। उन्होंने कहा था कि इसके बाद दोनों देश इस समझौते पर ऑनलाइन हस्ताक्षर करेंगे और अगले हफ्ते तकनीकी स्तर की बातचीत होगी।

एनडीए की पहली महिला बैच समेत 231 कैडेट भारतीय वायु सेना में शामिल, रक्षा मंत्री ने दी राष्ट्रपति कमीशन

नई दिल्ली

हैदराबाद के डुंडीगल स्थित वायु सेना अकादमी (एएफए) में 217वें कोर्स की संयुक्त दीक्षांत परेड का आयोजन किया गया, जहां राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) में प्रवेश लेने वाली महिलाओं के पहले बैच सहित कुल 231 फ्लाइट कैडेटों (194 पुरुष और 37 महिलाएं) को भारतीय वायु सेना में अधिकारी के रूप में कमीशन प्रदान किया गया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने परेड की समीक्षा की और स्नातक कैडेटों को 'राष्ट्रपति कमीशन' प्रदान किया, जो फ्लाइंग और ग्राउंड ड्यूटी शाखाओं के पूर्व-कमीशनिंग प्रशिक्षण की सफलता का प्रतीक है। इस अवसर पर भारतीय नौसेना के नौ अधिकारियों, भारतीय तटरक्षक बल के तीन अधिकारियों तथा वियतनाम के दो अधिकारियों को 'विंग्स' प्रदान किए गए। वहीं, नौवहन प्रशिक्षण पूरा करने वाले तीन अधिकारियों को 'ब्रेवेट' से सम्मानित किया गया।

भारतीय वायु सेना राष्ट्र की ढाल और तलवार दोनों : राजनाथ सिंह

स्नातक कैडेटों को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि वे ऐसी सेवा का हिस्सा बनने जा रहे हैं जिसने हमेशा राष्ट्र के लिए ढाल और तलवार दोनों की भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि 1947-48 के कश्मीर युद्ध में श्रीनगर एयरलिफ्ट और 1971 के युद्ध में निर्णायक हवाई अभियानों ने इतिहास रचा। उन्होंने कहा कि 2025 के ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय वायु सेना ने अदम्य साहस और सटीकता का परिचय देते हुए आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया, जिससे उसकी पेशेवर क्षमता और दक्षता का प्रदर्शन हुआ।

कोबरी-सार

राजस्थान पुलिस ने 30 हजार से अधिक ब्लैक फिल्म वाले वाहन पकड़े

निसं

जयपुर (नवयत्न)। सड़क सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए राजस्थान पुलिस ने राज्यभर में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ विशेष अभियान चलाकर 9 दिनों में 79,195 प्रवर्तन कार्रवाइयां की हैं। पुलिस महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा के निर्देशानुसार तथा महानिदेशक पुलिस प्रशिक्षण एवं यातायात अनिल पालीवाल और अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस यातायात डॉ. बी.एल. मीणा के पर्यवेक्षण में 4 जून से 12 जून 2026 तक यह अभियान संचालित किया गया। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस यातायात डॉ. बी.एल. मीणा ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य वाहनों में अवैध मॉडिफिकेशन, अनाधिकृत लाल.नीली बत्तियां, फ्लैशर, स्ट्रोब लाइट, प्रेशर हॉर्न, ब्लैक फिल्म, नियम विरुद्ध नंबर प्लेट तथा वाहनों पर अनधिकृत शब्दों और चिन्हों के उपयोग पर प्रभावी अंकुश लगाना है। इस अभियान के दौरान सबसे अधिक कार्रवाई वाहनों पर लगी ब्लैक फिल्म के खिलाफ की गई। पुलिस ने 30,644 वाहनों पर काली फिल्म पाए जाने पर कार्रवाई की। इसके अलावा 20, 462 वाहनों पर नियम विरुद्ध नंबर प्लेट एवं पंजीयन चिन्हए 10, 820 मामलों में अनाधिकृत शब्दए चिन्ह एवं लेखन, 7,634 वाहनों में अवैध संरचनात्मक परिवर्तन, 5,406 वाहनों पर अनाधिकृत लाल–नीली बत्ती, फ्लैशर और हूटर तथा 4,229 प्रेशर और एयर हॉर्न के मामलों में चालान और अन्य कानूनी कार्रवाई की गई। इस विशेष अभियान के तहत 12 जून को ही पूरे प्रदेश में 8,460 प्रवर्तन कार्रवाइयां की गईं। इनमें 3,193 ब्लैक फिल्म, 2,250 नियम विरुद्ध नंबर प्लेट, 1,086 अनाधिकृत शब्द, चिन्ह एवं लेखन, 844 अवैध वाहन संरचना परिवर्तन, 616 अनाधिकृत लाल–नीली बत्ती, फ्लैशर एवं हूटर तथा 471 प्रेशर और एयर हॉर्न के मामले शामिल रहे। 12 जून को हुई कार्रवाई में जयपुर पश्चिम 490 मामलों के साथ सबसे आगे रहा। इसके बाद अजमेर में 385, जयपुर यातायात में 367, चित्तौड़गढ़ में 349, सवाई माधोपुर में 325, भीलवाड़ा में 320 और कोटा शहर में 302 मामलों में कार्रवाई की गई।

इन जिलों में सड़क सुरक्षा मानकों के उल्लंघन पर विशेष निगरानी रखी गई। महानिदेशक पुलिस यातायात अनिल पालीवाल ने कहा कि अभियान का उद्देश्य केवल चालान करना नहीं, बल्कि आमजन में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना भी है। उन्होंने कहा कि ब्लैक फिल्म, अवैध मॉडिफिकेशन, प्रेशर हॉर्न और फर्जी नंबर प्लेट जैसे उल्लंघन न केवल कानून के खिलाफहैं, बल्कि सड़क दुर्घटनाओं और अपराधों को भी बढ़ावा देते हैं। राजस्थान पुलिस ने स्पष्ट किया है कि 30 जून तक चलने वाले इस विशेष अभियान के दौरान नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। पुलिस ने सभी वाहन चालकों से मोटर वाहन अधिनियम एवं यातायात नियमों का पालन करने की अपील की है।

11 चोरी की साइकिलों सहित शातिर चोर गिरफ्तार

निसं

जयपुर (नवयत्न)। मालपुरा गेट थाना पुलिस ने साइकिल चोरी की वारदातों पर कार्रवाई करते हुए एक शातिर चोर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की 11 साइकिल बरामद की हैं। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर अन्य वारदातों के संबंध में जानकारी जुटा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व रंजीता शर्मा ने बताया कि मालपुरा गेट थाना पुलिस ने साइकिल चोरी करने वाले एक शातिर चोर संतोष 42 निवासी करौली हाल सांगानेर को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ और तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से थाना क्षेत्र से चोरी की गई कुल 11 साइकिलें बरामद की गईं। पुलिस आरोपी से अन्य चोरी की घटनाओं के बारे में भी पूछताछ कर रही है। थानाधिकारी उदयभान यादव ने बताया कि सांगानेर निवासी लक्ष्मी नारायण ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनके घर के बाहर खड़ी फायरफॉक्स कंपनी की साइकिल अज्ञात व्यक्ति चोरी कर ले गया। इस संबंध में मालपुरा गेट थाने में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस टीम ने घटनास्थल और आसपास के क्षेत्रों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले तथा मुखबिरों से सूचना जुटाई। तकनीकी एवं आसूचना आधारित जांच के बाद पुलिस ने आरोपी को धरकृदबोचा।

एमजेडी महाविद्यालय में विदेशी भाषा फ्रेंच कोर्स प्रारम्भ

निसं

तारानगर (नवयत्न)। माँ जालपा देवी राजकीय महाविद्यालय, तारानगर में विदेशी भाषा सर्टिफिकेट कोर्स फ्रेंच भाषा में प्रारम्भ किया गया है। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. मूल चन्द ने बताया कि इस कोर्स में स्नातक व स्नातकोत्तर, महाविद्यालय से उत्तीर्ण हो चूके विद्यार्थी तथा कोई भी राजस्थान का मूल निवासी जिसकी आयु 18 से 35 वर्ष के मध्य हो व 12वीं उत्तीर्ण हो कोर्स का लाभ ले सकते हैं। कोर्स में सीट सीमित है तथा महाविद्यालय के नियमति विद्यार्थियों को प्राथमिकता प्रदान की जायेगी। उक्त कोर्स की नोडल अधिकारी प्रो. अंकिता चौधरी ने बताया कि इच्छुक विद्यार्थियों को कोर्स में पंजीकरण करवाने हेतु राजकीय महाविद्यालयों के नियमित विद्यार्थियों हेतु शुल्क रूण् 1000 तथा निजी महाविद्यालयों के विद्यार्थियों एवं अन्य पात्र अभ्यर्थियों हेतु शुल्क रूण् 2000 निर्धारित किया गया है।

पंजीकरण के लिए आवेदन पत्र, 12वीं की अंकतालिकाए मूल निवास प्रमाण पत्र तथा महाविद्यालय परिचय पत्र की प्रतिलिपि जमा करवानी होगी। कोर्स में भाग लेने एवं अन्य जानकारी प्राप्त करने हेतु इच्छुक विद्यार्थी नोडल प्रभारी अंकिता चौधरीए सहायक आचार्य अंग्रेजी से सम्पर्क कर सकते हैं।

डबल इंजन सरकार की नीतियों से हो रहा जनकल्याण, 12 वर्षों में स्थापित किए विकास के नए आयाम : सहारण

निसं

चूरू (नवयत्न)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में शनिवार को चूरू जिला मुख्यालय पर सूचना केंद्र में 12 साल विश्वास के विकास के जनकल्याण के की थीम पर सूचना केंद्र में चूरू विधायक हरलाल सहारण, पैरालिंपिक कमेटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष देवेंद्र झाझड़िया जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा, बसंत शर्मा सहित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों ने जिला स्तरीय प्रदर्शनी का उद्घाटन किया और प्रदर्शनी का अवलोकन कर केंद्र सरकार द्वारा पिछले 12 वर्षों में विभिन्न क्षेत्रों में किए गए विकास कार्यों, जनकल्याणकारी योजनाओं तथा उपलब्धियों की सराहना की। इस अवसर पर चूरू विधायक हरलाल सहारण ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्देशन में डबल इंजन सरकार की नीतियों और योजनाओं का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंच रहा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में 12 वर्षों में ऐतिहासिक कार्य हुए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार गरीबों, युवाओं, किसानों एवं महिलाओं के उत्थान और सशक्तीकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। केंद्र और राज्य सरकार के अंत्योदय के संकल्प के साथ जनकल्याण साकार हो रहा है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में सरकार ने पिछले 12 वर्षों में देश ने विकास के अनेक नए आयाम स्थापित किए हैं। आज हम स्वदेशी हथियार बना रहे हैं और हमारे युवाओं, गरीब, महिला व किसान को आगे बढ़ाकर विकसित भारत के संकल्प पर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश आज 08 से अधिक केन्द्रीय प्रोजेक्ट में अग्रणी है। प्रदेश सरकार का यमुना जल समझौता शेखावाटी अंचल के लिए बहुत बड़ी सौगात है। हमारी सरकार गरीब के कल्याण की भावना से काम कर रही है। हम सभी राष्ट्र प्रथम के संकल्प के साथ इस विकास यात्रा के भागीदार बनें। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा आमजन को बेहतरीन नागरिक सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए ग्रामीण व शहरी सेवा शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। यह इन शिविरों में सरकार की कल्याणकारी योजनाओं व विभिन्न विभागों की सेवाओं का लाभ एक ही मंच पर मिल रहा है। पैरालिंपिक कमेटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष देवेंद्र झाझड़िया ने कहा कि आज भारत रक्षा और खेल दोनों क्षेत्रों में वैश्विक स्तर पर अपनी मजबूत पहचान बना रहा है। उन्होंने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था निरंतर गति प्राप्त कर रही है तथा भारत विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने पीएम नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देशवासियों के सामूहिक प्रयासों से भारत वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में निरंतर अग्रसर है। झाझड़िया ने कहा कि खेलों के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियां लगातार बढ़ रही हैं और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारतीय खिलाड़ी देश का गौरव बढ़ा रहे हैं।

सरकार की खेलो इंडिया सहित विभिन्न योजनाओं ने खिलाड़ियों को बेहतर अवसर और संसाधन उपलब्ध कराए हैं, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत आज स्वदेशी हथियारों से अपनी ताकत के लिए अलग पहचान रखता है। वहीं खाद्य सुरक्षा, किसान सम्मान निधि, खेल प्रोत्साहन व महिला सशक्तीकरण की योजनाओं का पूर्ण पारदर्शिता के साथ लाभ आमजन को मिल रहा है। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने आमजन से प्रदर्शनी का अवलोकन करने की अपील करते हुए कहा कि यह प्रदर्शनी 15 जून तक सूचना केंद्र, चूरू में आयोजित की जाएगी।

उन्होंने कहा कि प्रदर्शनी के माध्यम से नागरिक केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं, उपलब्धियों और जनहितकारी कार्यक्रमों की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने अधिकाधिक संख्या में विद्यार्थियों, युवाओं, महिलाओं, किसानों तथा आम नागरिकों से प्रदर्शनी देखने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जिले के सभी शहरी निकायों में वार्डवार शहरी सेवा शिविर तथा ग्राम पंचायतों में ग्रामीण सेवा शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।

आमजन अधिक से अधिक संख्या में इन शिविरों में पहुंचकर विभागीय सेवाओं का लाभ लें। बसंत शर्मा ने कहा कि गरीबए किसानए युवा और महिला कल्याण के लिए केन्द्र व प्रदेश सरकार संकल्पित है। हमारी सरकार अन्नदाता के सम्मान, युवा को प्रोत्साहन, गरीब को संबलए महिलाओं को सशक्त करने का काम कर रही है। उपस्थित सभी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश–प्रदेश में उल्लेखनीय विकास कार्यों की सराहना करते हुए प्रधानमंत्री की दीर्घायु होने व उत्तम स्वास्थ्य की कामना की।

जनसंपर्क अधिकारी सूर्यकान्त कुमावत ने बताया कि यह तीन दिवसीय प्रदर्शनी 15 जून तक सवेरे 09:30 बजे से सायं 6 बजे तक आमजन के अवलोकन हेतु खुली रहेगी। प्रदर्शनी का उद्देश्य नागरिकों को केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों एवं उपलब्धियों की जानकारी उपलब्ध कराना है। एपीआरओ मनीष कुमार ने अतिथियों को प्रदर्शनी का अवलोकन करवाते हुए विकास कार्यों, कल्याणकारी नीतियों, महत्वपूर्ण फैसलों के बारे में जानकारी दी। प्रदर्शनी में प्रधानमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन, किसान सम्मान निधि, आयुष्मान भारत, महिला सशक्तिकरण, डिजिटल इंडिया, आत्मनिर्भर भारत, खेल एवं रक्षा क्षेत्र में हुई प्रगति सहित अनेक महत्वपूर्ण योजनाओं और उपलब्धियों को आकर्षक ढंग से प्रदर्शित किया गया है। इस अवसर पर प्रचार साहित्य का भी वितरण किया गया। इस दौरान एसडीएम धीरज झाझड़िया, कुमार अजय उपनिदेशक, साहित्य, पदमसिंह राठौड़, अभिषेक चोटिया, फतेहचंद सोती, ओम सारस्वत, भास्कर शर्मा, सुरेश सारस्वत, दौलत तंवर, नरेंद्र काछवाल, सीपी शर्मा, अर्चना कोठारी, धर्मेन्द्र राकसिया, अख्तर खान, सुनील ढाका, अशोक कुमार, नीरज जांगिड़, रजत शर्मा, उद्योग सहायक आयुक्त उजाला, पीएचईडी एक्सईएन प्रेम कुमार, रामचंद्र गोयल, जसवंत मेड़तिया, मंगेज सिंह, अभिषेक सरोवा, राहुल स्वामी, प्रदीप माली, दूलीचंद सोनी, संजय गोयल, अक्षेता फलवारिया, अजय चांवरिया, मोहित चौबे, राजकुमार, फरमान खान सहित अन्य उपस्थित रहे।

तेज हवाओ के साथ हुई बारिश हुई

निसं

नोखा (नवयत्न)। नोखा में शनिवार शाम और शुक्रवार देर रात करीब 1 बजे तेज आंधी–तूफान के साथ हल्की बारिश हुई जिससे तापमान में गिरावट दर्ज की गई। पिछले कई दिनों से पड़ रही तेज गर्मी और उमस से लोगों को बड़ी राहत मिली। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार शुक्रवार रात में अचानक तेज हवाएं चलनी शुरू हुई, जो कुछ ही देर में आंधी में बदल गई। तेज हवा के झोंकों से पेड़–पौधे झूमने लगे और कई स्थानों पर धूल उड़ने से विजिबिलिटी भी प्रभावित हुई। आंधी के कारण कुछ समय के लिए अफरा–तफरी का माहौल बन गया, जिससे लोग घरों की छतों और खुले स्थानों से नीचे उतर आए और एहतियात के तौर पर दरवाजे–खिड़कियां बंद कर ली।

बिजली आपूर्ति हुई बाधित

आंधी के दौरान बिजली आपूर्ति भी बाधित हो गई, जिससे कस्बे सहित आसपास के कई क्षेत्रों में अंधेरा छा गया। इसके बाद शुरू हुई हल्की बारिश ने मौसम को पूरी तरह बदल दिया। इससे वातावरण में ठंडा हो गया और लोगों को राहत का अहसास हुआ।

तीन-चार दिनों से पड़ रही थी धूप

ग्रामीणों ने बताया कि पिछले तीन–चार दिनों से क्षेत्र में तेज धूप, लू और उमस भरी गर्मी का दौर जारी था। दिन के समय सड़कों पर आवाजाही कम हो गई थी और लोग घरों में रहने को मजबूर थे। रात में हुई बारिश के बाद मौसम सुहावना हो गया और शनिवार सुबह तक ठंडी हवाएं चलती रहीं। बारिश का असर ग्रामीण इलाकों में भी देखने को मिला। किसानों ने मौसम में आए बदलाव का स्वागत करते हुए कहा कि इससे खेतों में नमी बढ़ेगी और आगामी खरीफ फसलों की तैयारियों में मदद मिलेगी। पशुपालकों को भी गर्मी से राहत मिली है। फिलहाल क्षेत्र में हल्की ठंडी हवाएं चल रही हैं और आसमान में बादल छाए हुए हैं। मौसम विभाग के अनुसार आगामी दिनों में भी मौसम का मिजाज बदला हुआ रह सकता है तथा कहीं–कहीं हल्की बारिश की संभावना बनी हुई है। मौसम में आए इस बदलाव से किसानों सहित आमजन के चेहरों पर खुशी और राहत साफ दिखाई दे रही है।

अवैध संबंध बने हत्या की वजह : पत्नी और प्रेमी ने मिलकर उतारा पति को मौत के घाट

निसं

जयपुर (नवयत्न)। शिप्रापथ थाना पुलिस ने एक ब्लाइंड मर्डर का खुलासा करते हुए हत्या के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस जांच में सामने आया कि मृतक की पत्नी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या की साजिश रची थी। पुलिस ने मुख्य आरोपी के साथ मृतक की पत्नी को भी गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण राजर्षि राज ने बताया कि त्रिवेणी नगर निवासी महेश जाटव की हत्या के मामले में उसके चाचा मांगीलाल की रिपोर्ट पर शिप्रापथ थाने में हत्या का मामला दर्ज किया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त ललित कुमार शर्मा तथा सहायक पुलिस आयुक्त मानसरोवर हेमेन्द्र शर्मा के निर्देशन में थानाधिकारी महेन्द्र सिंह के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल और आसपास के क्षेत्रों के 500 से अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगाले। तकनीकी साक्ष्यों, मुखबिर सूचना और मोबाइल लोकेशन के आधार पर संदिग्ध की पहचान की गई। वारदात के बाद आरोपी लगातार अपनी लोकेशन बदल रहा था लेकिन पुलिस ने उसका करीब 50 किलोमीटर तक पीछा कर जयपुर रिंग रोड क्षेत्र से मोनू जाटव उर्फ मोनू चौधरी निवासी मुरैना, मध्यप्रदेश हाल निवासी नंदपुरी कॉलोनी जयपुर और आरती जाटव पत्नी स्वर्गीय महेश जाटव निवासी गंगोत्री नगर त्रिवेणी नगर जयपुर को गिरफ्तार किया है। आरोपी मध्यप्रदेश भागने की तैयारी में था। थानाधिकारी महेन्द्र सिंह ने बताया कि पुलिस जांच में सामने आया कि मृतक की पत्नी आरती जाटव और आरोपी मोनू जाटव उर्फ मोनू चौधरी के बीच पिछले तीन वर्षों से प्रेम संबंध थे। इस संबंध की जानकारी होने पर महेश जाटव ने पत्नी को मोनू से संपर्क रखने से मना कर दिया था और उसका मोबाइल नंबर भी ब्लॉक कर दिया था। इसके बाद दोनों ने महेश को रास्ते से हटाने की साजिश रची। योजना के तहत मोनू ने महेश से दोस्ती बढ़ाई और उसके साथ नियमित रूप से शराब पीने लगा। पुलिस के अनुसार 11 जून को आरती ने मोनू को 1200 रुपए देकर महेश को शराब पिलाने और उसकी हत्या करने के लिए कहा था। जांच में सामने आया कि मोनू महेश को त्रिवेणी पुलिया के नीचे ले गया, जहां उसे अत्यधिक शराब पिलाई गई। नशे की हालत में बेहोश होने पर आरोपी ने देर रात धारदार हथियार से उसका गला रेतकर हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपी ने इंस्टाग्राम कॉल के जरिए आरती को हत्या की जानकारी दी और ऑनलाइन बाइक बुक कर अपने किराए के

कमरे पर चला गया। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि उसने आरती के कहने पर महेश जाटव की हत्या की थी। इस मामले के खुलासे और आरोपियों की गिरफ्तारी में साइबर सेल के हेड कांस्टेबल लोकेश कुमार, हेड कांस्टेबल राम सिंह, कांस्टेबल मंगलज और कांस्टेबल छोटूराम की विशेष भूमिका रही।

लोडिंग वाहन का पीछा कर लाखों की चोरी करने वाली गैंग का पर्दाफाश

निसं

जयपुर (नवयत्न)। पुलिस थाना गलता गेट ने लोडिंग वाहन का पीछा कर उसमें रखी नकदी चोरी करने वाली एक संगठित गैंग का पर्दाफाश करते हुए तीन शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई राशि में से 4 लाख 51 हजार 100 रुपये बरामद कर लिए हैं तथा वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी जब्त कर ली है। पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर करण शर्मा ने बताया कि 2 जून 2026 को वन विहार क्षेत्र में एक लोडिंग वाहन से 5 लाख 70 हजार 175 रुपये चोरी होने का मामला पुलिस थाना गलता गेट में दर्ज किया गया था। अज्ञात बदमाशों ने वाहन का पीछा कर चालक की अनुपस्थिति में नकदी पर हाथ साफ कर दिया था। इधर मामले की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त नीरज पाठक तथा सहायक पुलिस आयुक्त आदित्य पूनिया के नेतृत्व में थानाधिकारी धर्म सिंह की टीम का गठन किया गया। जांच के दौरान पुलिस टीम ने घटनास्थल और आसपास के क्षेत्रों के सैकड़ों सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। तकनीकी विश्लेषण और मुखबिर की सूचना के आधार पर 11 जून को महेंद्र कुमार रैगर, राहुल जाटव और जतिन मनमानी उर्फ गंजू को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने उनके

कब्जे से वारदात में प्रयुक्त हीरो स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल और चोरी की गई नकदी बरामद की। पुलिस पूछताछ में और भी कई वारदाते खुलने की आशंका जताई जा रही है।

यूएफसी जिम में विश्वस्तरीय सुविधाओं के साथ फिटनेस को मिलेगा नया आयाम

निसं

जयपुर (नवयत्न)। विश्व की अग्रणी मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स एमएमए संस्था के आधिकारिक फिटनेस ब्रांड यूएफसी जिम इंडिया ने राजधानी जयपुर के जगतपुरा क्षेत्र में अपने दूसरे प्रीमियम फिटनेस क्लब का भव्य शुभारंभ किया। महल रोड स्थित अपैरल पार्क के निकट करीब 20 हजार वर्गफुट क्षेत्र में विकसित यह अत्याधुनिक फिटनेस सेंटर आधुनिक फिटनेस, एमएमए ट्रेनिंग, फंक्शनल ट्रेनिंग, रिकवरी और न्यूट्रिशन सुविधाओं का समग्र अनुभव प्रदान करेगा। इससे पहले यूएफसी जिम का पहला सेंटर मानसरोवर स्थित सनी ट्रेड सेंटर में शुरू किया गया था। नए फिटनेस क्लब में सदस्यों को यूएफसी जिम की प्रसिद्ध ट्रेन डिफरेंट फिलॉसफी के तहत अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रशिक्षण सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। यहां लाइफ फिटनेस और हैमर स्ट्रेंथ के प्रीमियम कार्डियो एवं स्ट्रेंथ उपकरण, यूएफसी शैली के ऑक्टागन बॉक्सिंग बैग रैक और आधुनिक एमएम, ट्रेनिंग जोन, विशाल फंक्शनल ट्रेनिंग एरिया, पिलेट्स स्टूडियो तथा यूएफसी जिम के सिग्नेचर प्रोग्राम जैसे डेली अल्टीमेट ट्रेनिंग, फाइट किट, बॉक्सिंग कंडीशनिंग और किकबॉक्सिंग कंडीशनिंग की सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इसके अलावा

टीआरएक्स, कोर ब्लास्ट जैसी हाई–इंटेंसिटी क्लासेज, स्पिनिंग, योगा, जुम्बा और बॉलीवुड डांस जैसी ग्रुप फिटनेस गतिविधियां भी संचालित की जाएंगी। सदस्यों के लिए लॉकर्स, शॉवर, स्टीम, स्पा, कोल्ड प्लंजए चिल्ड शॉवर्स और इन्फ्रारेड सॉना जैसी रिकवरी सुविधाएं भी उपलब्ध रहेंगी। हेल्दी न्यूट्रिशन के लिए आर्मबार कैफे, विशाल पार्किंग तथा 5 से 12 वर्ष के बच्चों के लिए विशेष एमएमए एवं फंक्शनल फिटनेस क्लासेज भी शुरू की गई हैं। यूएफसी जिम इंडिया के चेयरमैन फरजाद पालिया ने कहा कि मानसरोवर स्थित पहले क्लब को मिली सफलता के बाद जगतपुरा में दूसरा सेंटर शुरू किया गया है। तेजी से विकसित हो रहे इस क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर की फिटनेस सुविधाओं की बढ़ती मांग को देखते हुए यह पहल की गई है। यूएफसी जिम इंडिया के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक इस्तियाक अंसारी ने कहा कि जगतपुरा सेंटर केवल एक जिम नहीं बल्कि फिटनेस और रिकवरी का संपूर्ण डेस्टिनेशन है, जहां व्यक्ति और परिवार दोनों अपनी फिटनेस यात्रा को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकते हैं। यूएफसी जिम के एक्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट इंटरनेशनल फ्रेंचाइज एंड ग्लोबल फिटनेस ऑपरेशंस डॉनी ओलिवर ने कहा कि भारत यूएफसी जिम के वैश्विक विस्तार का प्रमुख बाजार है और जयपुर में दूसरे सेंटर का शुभारंभ विश्वस्तरीय फिटनेस अनुभवों की बढ़ती मांग को दर्शाता है। यूएफसी जिम जगतपुरा की सब–लाइसेंसी सीए काजोल पलसानिया ने कहा कि अत्याधुनिक उपकरणों, सिग्नेचर ट्रेनिंग प्रोग्राम्स और रिकवरी सुविधाओं के साथ यह सेंटर देश के श्रेष्ठ फिटनेस संस्थानों को चुनौती देने वाला अनुभव प्रदान करेगा।

लॉन्चिंग समारोह में एयू बैंक के एमडी एवं डायरेक्टर संजय अग्रवाल, यूएफसी जिम इंडिया के संस्थापक एवं निदेशक इस्तियाक अंसारी, वाइस प्रेसिडेंट संयोगिता रामनन, डायरेक्टर सीए काजोल पलसानिया, घनश्याम यादव, विराटनगर विधायक कुलदीप धनकड़, राजस्थान ओलंपिक संघ के अध्यक्ष एवं इंटरनेशनल कबड्डी फेडरेशन के निदेशक तेजस्वी सिंह गहलोत, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर अनिकेत चौधरी, अंतरराष्ट्रीय बॉडी बिल्डर मुकेश चौधरी तथा पावरलिफ्टिंग की राष्ट्रीय पदक विजेता रेणु चौधरी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

शहर व ग्रामीण क्षेत्रों में तेज अंधड़ से उड़े टिन शेड

नवरतन वर्मा

रतनगढ़ (नवयत्न)। शुक्रवार सायं आई तेज आंधी-तूफान ने शहर व ग्रामीण क्षेत्र में तबाही मचा दी। कुछ ही मिनटों तक चली तेज हवाओं ने पेड़ों, मकानों और सरकारी भवनों को नुकसान पहुंचाते हुए जनजीवन को प्रभावित कर दिया। आंधी के कारण कई इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित रही तथा यातायात व्यवस्था भी प्रभावित हुई। आंधी के दौरान शहर के विभिन्न क्षेत्रों में कई पेड़ जड़ से उखड़कर गिर गए जबकि कई मकानों की दीवारों को भी नुकसान पहुंचा। मकड़ीनाथ रेलवे स्टेशन पर लगा टीनशेड तेज हवाओं की चपेट में आकर उड़ गया। विद्युत आपूर्ति बाधित हो गई। कई क्षेत्रों में देर रात तक बिजली गुल रही और लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। वहीं गांव सेहला और आसपास के अनेक गांवों में बहुत नुकसान हुआ। गांव की गौशाला में टिन शेड उड़ गया जिसके नीचे दबने से एक बड़े और एक छोटे नंदी महाराज की मृत्यु हो गई और 5 गौमाता घायल हो गई। गोशाला में ही एक चारा संग्रहण कक्ष का द्वार गिर गया। दिलीप सिंह राठौड़ के खेत व घर में बना टिन शेड भी उड़ गया जिससे उसमे रहने वाले बंजारा परिवार का सारा सामान धान सहित सब कुछ खराब हो गया। फूला राम कड़वासरा के खेत में लगी सोलर पैनल, मुस्ताक खान के खेत में लगी सोलर पैनल, हाकम अली के खेत में लगी सोलर पैनल, पन्ना राम नाई के खेत की ढाणी में बना टीन शेड उड़ गया व श्याम लाल नाई के खेत में बना छपरा उड़ गया। इसी क्रम में पवन लोहिया के घर पर लगी सोलर पैनल उड़ गई। आसपास के गावों की बात करे तो ऐसे सैंकड़ो घरों में भारी मात्रा में नुकसान हुआ है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आंधी की रफ्तार इतनी तेज थी कि देखते ही देखते कई स्थानों पर टीनशेड उड़ गए और बड़े-बड़े पेड़ जड़ से उखड़ गए। प्रशासन द्वारा नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

शहरी व ग्रामीण समस्या समाधान शिविरों का शुभारंभ

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। नगरपरिषद में शहरी समस्या समाधान शिविरों का शुभारंभ हो गया है। शुक्रवार को वार्ड ने 1 से तीन तक के लोगों के लिए शिविर का आयोजन किया गया। आयुक्त गिरधारीलाल पारीक ने बताया कि एडीएम संतोष कुमार मीणा ने शिविर का निरीक्षण किया और आमजन को अधिक से अधिक लाभ दिये जाने हेतु निर्देश अधिकारियों को दिये। शिविर में अनेक जन समस्याओं का समाधान हुआ और परिवाद प्राप्त किए गए। शिविर में निवर्तमान पार्षद दीनदयाल पारीक, पुरूषोतम शर्मा, रेंवतमल पंवार, मनीष दाधीच, गणेश मण्डारिया ने उपस्थित होकर आमजन को शिविर का अधिक से अधिक लाभ लेने हेतु प्रेरित किया। इस मौके पर शिविर प्रभारी सहायक अभियंता विक्रम जोरवाल, सहायक नगर नियोजक उदय सिंह, सहायक अभियंता चारवी, कनिष्ठ लेखाकार ओमप्रकाश खीचड़, वरिष्ठ लिपिक लोकेश जांगिड़, कनिष्ठ लिपिक लोकेश सियोता, रामनिवास जाट,, एमएसआरजीवाई जेटीए यतेन्द्र सिंह राठौड़, एमआईएस कृष्णा शर्मा व कम्प्यूटर ऑपरेटर नगर परिषद तथा अन्य विभागों के कार्मिक उपस्थित रहे। इसी प्रकार ग्रामीण समस्या समाधान शिविर का गांव गुलेरिया में एडीएम संतोष कुमारए प्रशासक उच्छब कंवर ने शुभारंभ किया। करणीसिंह ने कहा कि सरकार की मंशा के अनुसार अधिक से अधिक लोग शिविरों का लाभ उठाएं। इस अवसर पर तहसीलदार गिरधारीलाल पारीक, एसीबीईओ मंजू पंवार सहित अनेक अधिकारी मौजूद रहे।

एसएफआई ने लगाया प्रवेश सहायता शिविर

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। छात्र संगठन एसएफआई की ओर से सुजला कॉलेज में प्रवेश सहायता शिविर का आयोजन किया गया। गौरव स्वामी ने बताया कि सुजला महाविद्यालय में प्रवेश सहायता शिविर में सैंकड़ों नव आगंतुक विद्यार्थियों की सहायता की गई। नारायण शर्मा ने कहा कि आज अंतिम तिथि होने की वजह से काफी छात्र छात्राएं दस्तावेज सत्यापन के लिए नहीं पहुंच पाए। जिसको लेकर आयुक्तालय के नाम प्राचार्य को ज्ञापन सौंपकर तिथि बढ़ाने की मांग की गई है। ताकि जो विद्यार्थी किसी कारण से नहीं पहुंच पाए उनको मौका मिल सके। इस दौरान हर्षवर्धन सिंह राठौड़, कुलदीप सिंह, देवराज सिंह, वीरेंद्र सिंह, मोजी लुहार, राकेश लुहार आदि उपस्थित रहे।

सड़क चौड़ीकरण की जद, बीसीएमओ कार्यालय को अतिक्रमण का नोटिस

हरीश देवंदा

नीमकाथाना (नवयत्न)। मांकड़ी फाटक से सिरोही नदी बाइपास तक प्रस्तावित सड़क चौड़ीकरण परियोजना के तहत प्रशासन ने अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई तेज कर दी है। इसी क्रम में तहसीलदार न्यायालय, नीमकाथाना ने राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 91 के तहत मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय को नोटिस जारी किया है। नोटिस के अनुसार पीडब्ल्यूडी की सड़क भूमि पर करीब 160.50 वर्ग मीटर क्षेत्र में अतिक्रमण होने का उल्लेख किया गया है। प्रशासन ने संबंधित विभाग को 16 जून 2026 तक भूमि खाली करने अथवा उसी दिन सुबह 10 बजे तहसीलदार न्यायालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष रखने के निर्देश दिए हैं।

ईडब्ल्यूएस आरक्षण सुधार की उठी मांग

संजय सोनी

झुंझुनू (नवयत्न)। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग आरक्षण में व्याप्त खामियों को दूर करने की मांग को लेकर झुंझुनू सर्किट हाउस में ईडब्ल्यूएस जन जागृति मंच द्वारा प्रेस कॉफ्रेंस आयोजित की गई। इस दौरान मंच के प्रतिनिधियों ने केंद्र सरकार से ईडब्ल्यूएस आरक्षण के वर्तमान पात्रता मानदंडों में संशोधन कर इसे अधिक व्यावहारिक एवं समावेशी बनाने की मांग उठाई। जन जागृति मंच के प्रतिनिधि धर्मेंद्र सिंह राठौड़ ने कहा कि वर्ष 2019 में लागू किया गया 10 प्रतिशत ईडब्ल्यूएस आरक्षण आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए एक ऐतिहासिक निर्णय था लेकिन वर्तमान पात्रता शर्तों के कारण अनेक वास्तविक जरूरतमंद परिवार इसका लाभ प्राप्त नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकारी भर्तियों एवं प्रतियोगी परीक्षाओं में ईडब्ल्यूएस वर्ग की सीमित भागीदारी इस बात का संकेत है कि व्यवस्था में सुधार की आवश्यकता है। उन्होंने भूमि संबंधी शर्तों पर सवाल उठाते हुए कहा कि 5 एकड़ कृषि भूमि की सीमा वर्तमान आर्थिक परिस्थितियों में व्यवहारिक नहीं है। कृषि लागत में वृद्धि और सीमित आय के बावजूद अनेक किसान परिवार केवल भूमि स्वामित्व के आधार पर ईडब्ल्यूएस श्रेणी से बाहर हो जाते हैं, जो न्यायोचित नहीं है। राठौड़ ने आवास संबंधी पात्रता शर्तों पर भी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इन प्रावधानों का संयुक्त परिवार व्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। कई युवा केवल पात्रता बनाए रखने के लिए अलग निवास की ओर मजबूर हो रहे हैं, जो सामाजिक दृष्टि से उचित नहीं है। उन्होंने केंद्र एवं राज्य सरकारों की आरक्षण नीतियों में मौजूद असंगति का भी उल्लेख किया और कहा कि कई समुदाय राज्य स्तर पर अन्य पिछड़ा वर्ग में शामिल हैं जबकि केंद्र स्तर पर सामान्य वर्ग में आने के कारण वे ईडब्ल्यूएस आरक्षण का भी समुचित लाभ नहीं ले पाते। प्रेस कॉफ्रेंस के दौरान उन्होंने राजस्थान में पूर्व में लागू किए गए अपेक्षाकृत लचीले ईडब्ल्यूएस मॉडल का उल्लेख करते हुए कहा कि भूमि एवं आवास संबंधी शर्तों में राहत देकर अधिक पात्र लोगों को लाभ पहुंचाया गया था। इसी प्रकार की व्यवहारिक नीति को राष्ट्रीय स्तर पर लागू किया जाना चाहिए। मीडिया से बातचीत में राठौड़ ने कहा आरक्षण का उद्देश्य तभी पूर्ण होगा जब इसकी पात्रता शर्तें सरल, यथार्थपरक और समावेशी हों। वर्तमान में किसान, महिलाएं तथा अनेक जरूरतमंद वर्ग इसके दायरे से बाहर हैं। केंद्र सरकार को समय रहते आवश्यक सुधार करने चाहिए ताकि वास्तविक पात्र लोगों तक इसका लाभ पहुंच सके। अंत में ईडब्ल्यूएस जन जागृति मंच की ओर से मांग की गई कि ईडब्ल्यूएस आरक्षण में भूमि एवं आवास से

संबंधित शर्तों को समाप्त किया जाए, पात्रता मानदंडों को अधिक समावेशी बनाया जाए तथा नीति में एकरूपता लाकर सभी पात्र वर्गों को न्यायसंगत अवसर सुनिश्चित किए जाएं। इस दौरान पितराम काला विधायक, यशवर्धन सिंह, शौकत अली कर्नल, कैलाश, सुरेंद्र सिंह बड़ाऊ, तेजपाल सिंह टाई, सुरेंद्र सिंह डाबड़ी, रामपाल सिंह बगड़, प्रवीण सिंह बगड़, अजय सिंह बगड़, भवानी सिंह सुल्ताना, प्रमेंद्र सिंह, रणजीत चंदेलिया, पूर्व सभापति खालिद हुसैन, एडवोकेट दीपेंद्र सिंह, राजेन्द्र सिंह भाटी, सुरेंद्र सिंह नरुका, कुलदीप भाटी, कायमखानी समाज से अनवर नबी खान, इकबाल अली खान, शमसाद अली खां, इब्राहिम खान, उम्मेद अली खान, मास्टर सहजाद अली खान, अफजल खान, उदय सिंह मौजूद रहे ।

मांगों के समर्थन में की धरने पर नारेबाजी

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। नगरपरिषद कार्यालय के बाहर अजय ढ़ेनवाल के नेतृत्व में धरना लगातार 42वें दिन शनिवार को भी जारी रहा। धरने पर सोहिल गोपालपुरिया, इकबाल खान कायमखानी, कैलाश गुर्जर, अर्जुन सियोता, राजाराम, विशाल, इमरान पलदार, तरूण सियोता, आरिफ गौरी, कमल टेलर, शंकरलाल सहित अनेक लोगों ने शिरकत की। गांधी चौक स्थित पार्क में महापुरूषों की मूर्तियां लगाए जाने की मांग को लेकर ये धरना चल रहा है।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने मनाया जश्न

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। भाजपा नेता सतीश पूनियां और अलका गुर्जर के राज्यसभा सांसद बनने पर गांधी चौक में भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी कर खुशी मनाई। पूर्व मंत्री खेमाराम मेघवाल ने कहा कि पूनियां को यह जिम्मेदारी मिलने से पार्टी को मजबूती मिलेगी। भाजपा नेता संतोष मेघवाल ने कहा कि पूनिया और गुर्जर के राज्य सभा सांसद बनने से कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर है। इस अवसर पर रवि आर्य, अनीता चौधरी, मंडल अध्यक्ष विनय माटोलिया, पवन महेश्वरी, बुद्धिप्रकाश सोनी, भंवरलाल शर्मा, राजेश सुंदरिया, अमित मौसूण, रेंवतमल पंवार, नरेंद्र गुर्जर, भागीरथ करवा, विजय चौहान, पंकज घासोलिया, महेश पारीक, प्रदेश वाल्मीकि, प्रहलाद जाखड़, मनोज पारीक, शिवभगवान चौहान, राजकुमार बेड़ा सहित बड़ी संख्या में भाजपा नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। भाजपा कार्यकर्ताओं ने सतीश पूनिया जिंदाबाद, नरेंद्र मोदी जिंदाबाद के नारे लगाए।

यंगेस्ट राइटर बने श्रीमाधोपुर के स्टैम्प कलेक्टर दिव्यांश शर्मा
लिटिल स्टैम्प्स, बिग स्टोरीज पुस्तक का विमोचन

निसं

श्रीमाधोपुर (नवयत्न)। इतिहास उम्र से नहीं इरादों और हौसलों से लिखा जाता है। सिर्फ 8 साल की उम्र में डाक टिकट संग्रह से रिश्ता जोड़ने वाले श्रीमाधोपुर के स्टैम्प कलेक्टर दिव्यांश शर्मा ने अपनी पहली बुक लिटिल स्टैम्प्स, बिग स्टोरीज से यंगेस्ट राइटर के रूप में नई पहचान बनाई है। महज साढ़े 9 साल की उम्र में किताब प्रकाशन के साथ श्रीमाधोपुर के सबसे कम उम्र के लेखक होने का खिताब अपने नाम कर इतिहास रच दिया है। संभवत वे सीकर जिले के भी नन्हे राइटर्स में शामिल हो गए हैं। अपनी पहली किताब के प्रकाशन के साथ साहित्य की दुनिया में एक उल्लेखनीय पहला कदम रखा है। बुक का प्रकाशन ब्रिबुक्स द्वारा किया गया है। दिव्यांश शर्मा के 8 वें जन्मदिन पर दादाजी राजेन्द्र कुमार नायनकाजोशी से मिले रामायण के विशेष डाक टिकट से शुरू हुए सफर व आजादी के बाद भारत के पहले डाक टिकट की अनकही कहानी से लेकर एक प्रकाशित किताब तक पहुंचा यह सफर सचमुच हमेशा के लिए

संजोकर रखने लायक एक यादगार अनुभव है। श्रीमाधोपुर के सबसे कम उम्र के प्रकाशित लेखक दिव्यांश शर्मा की पुस्तक लिटिल स्टैम्प्स, बिग स्टोरीज का विमोचन उनके दादाजी राजेन्द्र कुमार नायनकाजोशी ने किया। दिव्यांश शर्मा ने बताया कि मेरी स्टोरी लिटिल स्टैम्प्स, बिग स्टोरीज मेरे डाक टिकट संग्रह की कहानी को बया करती है। डाक टिकट संग्रह यानी फिलेटली सिर्फ एक हॉबी नहीं बल्कि भारत के इतिहास,, संस्कृति और गौरव को एक छोटे से कागज में समेटने की कला। आजकल के बच्चे जहां हर वक्त मोबाइल में डूबे रहते हैं, उनके पेरेंट्स को ये पुस्तक सुकून देती हैं। इसको पढ़कर जान सकते है बच्चों के लिए स्टैम्प इकट्ठा करना एक मजेदार शौक हो सकता है। डाक टिकट के माध्यम से भारतीय संस्कृति की यात्रा को दर्शाया गया है। पुस्तक के द्वारा डाक टिकट के माध्यम से नई पीढ़ी को अपनी विरासत से जोड़ सकते हैं। दिव्यांश शर्मा ने बताया कि पहली पुस्तक के माध्यम से अपनी स्मृतिशेष मां पुष्पा देवी शर्मा को समर्पित करने का प्रयास किया है।

एआई से घबराएं नहीं, सीखने और आगे बढ़ने की जरूरत-सॉफ्टवेयर इंजीनियर अमित शर्मा ने कहा कि आज के दौर में एआई से घबराने की जरूरत नहीं बल्कि उससे सीखने और आगे बढ़ने की आवश्यकता है। क्रिएटिव राइटिंग रचनात्मक लेखन प्लेटफॉर्म के माध्यम से बच्चे अपनी खुद की कहानियां और किताबें लिख कर प्रकाशित करवा सकते हैं। हर बच्चे में अपना हुनर होता है। वह आगे बढ़ेए अपने हुनर को निखारे लेकिन जो भी करे दिल से करे। बच्चे के सपनों को नई उड़ान दें।

डिजिटल युग में बच्चों को साहित्य से जोड़ने की अनूठी पहल-माता-पिता दीपमाला-अमित शर्मा ने बताय कि दिव्यांश ने समर वेकेशन में अपनी पहली किताब लिखी और आज आखिरकार वह किताब हमारे हाथों में है। उसके पन्ने पलटते हुए और किताब के लेखक के तौर पर दिव्यांश का नाम व पिछले कवर पर फोटो छपा हुआ देखते हुए, जो एहसास हमें हुआ, उसे हम शब्दों में बयां नहीं कर सकते। हमें अपने नन्हे लेखक पर और उसकी उस सारी कल्पना, मेहनत और लगन पर बेहद गर्व है।

वेदों ने की परम ब्रह्म स्वरुप भगवान कृष्ण की स्तुति

श्रीमाधोपुर (नवयत्न)। भगवान की लीला का गुणगान करने में अनेक कल्प भी कम पड़ जाते हैं । भगवान की दिव्य लीलाओं की अमृत वर्षा में पुरुषोत्तम मास में श्रीगोपीनाथजी का मंदिर श्रीमाधोपुर में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के अंतर्गत व्यास पीठाचार्य प्रयागदास महाराज ने दसवे स्कंद में वसुदेव द्वारा यज्ञ, वेदों द्वारा भगवान के परम स्वरूप की स्तुति, अर्जुन के द्वारा सुभद्रा का हरण एवं विवाह, भृगु ऋषि के द्वारा त्रिदेवों की श्रेष्ठता की परीक्षा, भगवान विष्णु के द्वारा वक्षस्थल पर महर्षि भृगु के चरण चिह्न को धारण करना एवं ग्यारहवें स्कंध में वसुदेव और नारद के संवाद की ज्ञानमय लीला का वर्णन किया गया। रात्रि में रामचरित्र मानस के लंका कांड के अंतर्गत धर्म पर अधर्म की विजय रावण वध एवं भगवान राम का अयोध्या पुन: आगमन की दिव्या लीला का गान भक्तों के द्वारा सामूहिक रूप से किया गया । मंदिर महंत मनोहर शरण दास ने बताया कि पुरुषोत्तम मास के दिव्योत्सवो के अंतर्गत 14 जून रविवार को भगवान के मंगला दर्शन से शयन दर्शन तक विभिन्न भक्तिमय कार्यक्रम मंदिर प्रांगण में आयोजित किए जाएंगे जिसके अंतर्गत प्रात: काल भगवान का ऋतुपुष्प श्रृंगार एवं प्रात: 9 बजे से महिला भक्तों के द्वारा विशेष रूप से संगीतमय हरि नाम संकीर्तन किया जाएगा।

पेयजल सुविधा के लिए वाटर कूलर लगाया

कांवट (नवयत्न)। कस्बे के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के पास शनिवार को भामाशाह रतन लाल बंसल ने अपने माता-पिता हनमानी देवी एवं सुरज्ञान चंद चौधरी की पुण्य स्मृति में वाटर कूलर लगवाकर जनसेवा की मिसाल पेश की। यहां पर विद्यार्थियों, राहगीरों और आमजन को गर्मी में ठंडा व शुद्ध पेयजल मिलेगा। लोगों ने कार्य को सराहते हुए मानव सेवा का अच्छा कार्य बताया।

नकली बीज और खाद मामले में सरकार पर ढिलाई बरतने का आरोप

नवरतन वर्मा

रतनगढ़ (नवयत्न)। प्रदेश में पिछले कुछ दिनों से चल रहे नकली खाद, यूरिया और नकली बीज के मामलों को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। कांग्रेस पार्टी ने सरकार पर इस गंभीर मुद्दे को दबाने और ढिलाई बरतने का सीधा आरोप लगाया है। इस संबंध में शनिवार को जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा रतनगढ़ में विधायक आवास पर पत्रकार वार्ता आयोजित की गई। इस दौरान जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मनोज मेघवाल ने कहा कि पार्टी का कहना है कि सरकार इस पूरे प्रकरण में शामिल बड़े चेहरों को बचाने का प्रयास कर रही है। प्रेस कॉफ्रेंस के माध्यम से इस बात को जनता और सरकार तक पहुंचाने का निर्णय लिया है। उन्होंने बताया कि यह समस्या नई नहीं है बल्कि कुछ समय पहले जब खाद और यूरिया की कालाबाजारी तथा नकली माल के खिलाफ छापे मारे गए थे तब किसानों के साथ हो रहे इस धोखे के खिलाफ सभी ने कार्रवाई का समर्थन किया था। लेकिन बाद में जिन फैक्ट्रियों को सील किया गया था, उन्हें बिना किसी स्पष्ट जांच के क्लीन चिट दे दी गई और जब्त किया गया नकली माल भी कथित तौर पर बाजार में किसानों के यहां खपा दिया गया। हाल ही में सीकर और अन्य क्षेत्रों से जुड़े नकली बीज के मामले में भी नया मोड़ आया है। इस संबंध में एक निजी फर्म विकास एंड संस द्वारा प्राथमिकी भी दर्ज कराई गई थी,, जिसमें लाखों रुपये की लेन-देन और मांग के आरोप सामने आए हैं। इस पूरे प्रकरण में संदिग्ध रूप से कुछ बड़े अधिकारियों, विधायकों के पीए और मंत्रियों के नाम पर पैसे की मांग करने की बातें रिकॉर्ड पर आई हैं। कांग्रेस का आरोप है कि रिमांड की अवधि पूरी होने के बावजूद जांच एजेंसियों द्वारा इस मामले में शामिल डॉक्टर साहब और मंत्री जी जैसे कोडवर्ड्स और बड़े नामों का खुलासा जनता के सामने नहीं किया जा रहा है। विधायक पुसाराम गोदारा ने सरकार की मंशा पर सवाल उठाते हुए कहा कि एक तरफतो सरकार कार्रवाई का दावा करती है, वहीं दूसरी तरफ 32 में से 28 सैंपलों को पास कराकर नकली बीज को बाजार में ही खपाने की सेटिंग की जा रही है। गुजरात कनेक्शन और इस पूरे तंत्र के पीछे छिपे असली गुनहगारों को बेनकाब किया जाना जरूरी है। पार्टी ने चेतावनी दी है कि यदि अगले कुछ दिनों में इस मामले में शामिल सभी बड़े नामों का स्पष्ट खुलासा नहीं

किया गया और दूध का दूध तथा पानी का पानी नहीं हुआ तो कांग्रेस पार्टी प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार सड़कों पर उतरकर उग्र प्रदर्शन करेगी। इस अवसर पर अरविंद चाकलान पूर्व शहर ब्लॉक अध्यक्ष, प्रदीप तोदी शहर ब्लॉक अध्यक्ष सुजानगढ़, इदरीश गौरी प्रवक्ता जिला कांग्रेस कमेटी चूरु, विद्याधर बेनीवाल, रामवीरसिंह राईका, फकीरचन्द दानोदिया, भंवर लाल जसैल, जसकरण गौड़, विद्याधर मेघवाल, बजरंग सैन, चरण सिंह कोका आदि कांग्रेस नेता उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना शर्मा के लिए उदय प्रिंटर्स 43-ए, माली कॉलोनी, चांदपोल के बाहर जयपुर में मुद्रित व प्लॉट नं. 88, तहसील के पीछे दांतारामगढ़, सीकर (राज.) से प्रकाशित संपादक सपना शर्मा
मो. 9783931239 मुख्य कार्यालय-जी-4, मान नगर, नगर परिषद के सामने, झुंझुनू, 01592-297190

सम्पादकीय

टीएमसी के कितने टुकड़े

तृणमूल कांग्रेस के 19 सांसदों ने लोकसभा स्पीकर को पत्र भेजकर जिस तरह यह दावा किया कि असली टीएमसी हम ही हैं, उससे इस पर एक तरह से मुहर ही लगी कि इस दल के विधायकों की तरह लोकसभा सदस्यों में भी टूट की औपचारिकता मात्र शेष है। टीएमसी के राज्यसभा सदस्य भी छिटक रहे हैं। अब तक उसके तीन राज्यसभा सदस्य त्यागपत्र दे चुके हैं। आने वाले दिनों में उनकी संख्या और बढ़े तो हैरानी नहीं।

चुनावों में हार के बाद आम तौर पर राजनीतिक दलों की मुश्किलें बढ़ती ही हैं, लेकिन यह पहली बार हो रहा है कि पराजय के उपरांत किसी दल का अस्तित्व ही खत्म होता दिख रहा है। इसमें संदेह है कि ममता बनर्जी अपनी पार्टी बचा सकेंगी, क्योंकि उनके पास बहुत कम विधायक और सांसद बचे हैं। इनमें से चंद ही खुलकर यह कह रहे हैं कि वे ममता के साथ हैं।

इनमें भी कुछ ऐसे हैं, जो यह कह रहे हैं कि उन्हें ममता का नेतृत्व तो स्वीकार है, लेकिन उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी का नहीं। ममता के प्रबल समर्थक के रूप में सामने आए लोकसभा सदस्य कल्याण बनर्जी ने यह कहकर एक तरह से अल्टीमेटम ही दिया कि उन्हें पार्टी और अभिषेक में से किसी एक का चयन करना होगा। टीएमसी केवल दो टुकड़ों में ही बंटती नहीं दिख रही है। उसके कई टुकड़े हो सकते हैं, क्योंकि लोकसभा में बगावत का नेतृत्व करने वाली टीएमसी सांसद काकोली घोष कह रही हैं कि उन्हें बागी विधायकों के नेता ऋब्रत बनर्जी से कोई लेना-देना नहीं। जहां ऋब्रत विधानसभा में विपक्ष की भूमिका निभाने को कह रहे हैं, वहीं काकोली मोदी सरकार का साथ देने की घोषणा कर रही हैं।

यह समय ही बताएगा कि टीएमसी का क्या होगा, लेकिन पार्टी में बिखराव के लिए ममता बनर्जी अपने अलावा और किसी को दोष नहीं दे सकतीं। उनका दोष केवल इतना ही नहीं कि वे मनमाने तरीके से सरकार चला रही थीं, बल्कि यह भी है कि उन्होंने पार्टी पर भतीजे अभिषेक पर थोप दिया था। वे किसी रियासत के अहंकारी युवराज की तरह पार्टी चला रहे थे। टीएमसी पहली पार्टी नहीं, जिसमें भाई-भतीजावाद हावी हो गया हो। अधिकतर क्षेत्रीय दल ऐसे ही हैं। वे परिवार विशेष से संचालित होते हैं और उसके आगे किसी की नहीं चलती। ऐसे दलों में न तो आंतरिक लोकतंत्र होता है और न ही असहमति के लिए कोई स्थान। इन दलों में वही होता है, जो परिवार चाहता है। टीएमसी में भी वही हो रहा था, जो ममता और अभिषेक चाह रहे थे। विचारधाराविहीन यह दल तभी तक अपने नेताओं को अपने साथ जोड़े रखने में समर्थ रहा, जब तक उसके पास सत्ता रही। सत्ता मिलने की आस, सत्ता और उससे मिलने वाले लाभ ही पार्टी को एकजुट रखने वाले मूल तत्व थे। इनके हटते ही पार्टी में भगदड़ मच गई।

विशेष आलेख

गृहिणी राष्ट्रनिर्माता है तो हिंसा की शिकार क्यों...?

भारतीय समाज में महिलाओं को सशक्त बनाने के दावे लंबे समय से किए जाते रहे हैं। उन्हें 'आधी आबादी' और विकास की समान भागीदार कहा जाता है। शिक्षा, रोजगार, राजनीति और नेतृत्व के क्षेत्र में उनकी भागीदारी बढ़ाने के लिए अनेक योजनाएं बनाई जाती हैं। संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने की प्रतिबद्धता जताई जाती है। सरकारें महिला सशक्तीकरण को अपनी प्राथमिकताओं में शामिल करती हैं और समाज भी महिलाओं की उपलब्धियों पर गर्व व्यक्त करता है। लेकिन इन सबके बीच कुछ ऐसे तथ्य सामने आते हैं, जो हमें इस सशक्तीकरण के वास्तविक स्वरूप पर पुनर्विचार करने के लिए विवश करते हैं। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने गृहिणियों के योगदान को राष्ट्र निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए उन्हें 'नेशन बिल्डर' अर्थात् राष्ट्रनिर्माता कहा। न्यायालय ने यह भी माना कि घरेलू कार्यों और परिवार की देखभाल में महिलाओं द्वारा किए जाने वाले श्रम का आर्थिक मूल्य है और उसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। दूसरी ओर राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) के आंकड़े बताते हैं कि देश में ग्रामीण क्षेत्रों की प्रत्येक चौथी तथा शहरी क्षेत्रों की प्रत्येक छठी महिला किसी न किसी रूप में हिंसा का शिकार होती है। यह स्थिति एक गहरे विरोधाभास को उजागर करती है। जिस महिला को राष्ट्रनिर्माता कहा जा रहा है, वही महिला अपने घर, परिवार और समाज में असुरक्षा और हिंसा का सामना करने को विवश है।

सर्वोच्च न्यायालय का यह निर्णय भारतीय समाज में महिलाओं के अवैतनिक श्रम को मान्यता देने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। सदियों से गृहिणियों द्वारा किए जाने वाले कार्यों को केवल कर्तव्य या प्रेम का विस्तार मान लिया गया। घर की सफाई, भोजन बनाना, बच्चों का पालन-पोषण, बुजुर्गों की सेवा, परिवार के स्वास्थ्य और संस्कारों की रक्षा, घरेलू प्रबंधन और सामाजिक संबंधों का निर्वहन-इन सभी कार्यों को महिलाओं का स्वाभाविक दायित्व माना गया। परिणामस्वरूप उनके श्रम को कभी आर्थिक दृष्टि से नहीं आंका गया। वास्तव में यदि किसी परिवार में गृहिणी द्वारा किए जाने वाले सभी कार्यों के लिए अलग-अलग व्यक्तियों को नियुक्त किया जाए, तो उस पर भारी आर्थिक व्यय आएगा। इसके बावजूद गृहिणी के श्रम को न तो वेतन मिलता है और न ही सामाजिक मान्यता। वह चौबीस घंटे और वर्ष के तीन सौ पैंसठ दिन कार्यरत रहती है। उसका कोई अवकाश नहीं होता, कोई पदोन्नति नहीं होती और कोई सेवानिवृत्ति नहीं होती। इसलिए सर्वोच्च न्यायालय का यह कहना कि गृहिणी केवल परिवार नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण में भी योगदान देती है, सामाजिक चेतना को नई दिशा देने वाला विचार है। न्यायालय ने मोटर दुर्घटना मुआवजा मामले में गृहिणी की सेवाओं का मूल्यांकन न्यूनतम 30 हजार रुपये प्रतिमाह के आधार पर करने की बात कही। यह केवल एक कानूनी निर्णय नहीं, बल्कि उस सामाजिक मानसिकता को चुनौती है जो घरेलू श्रम को महत्वहीन समझती रही है। वास्तव में महिलाओं का यह अदृश्य श्रम देश की अर्थव्यवस्था की नींव है। यदि इस श्रम का आर्थिक मूल्यांकन किया जाए और उसे सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में शामिल किया जाए, तो भारत की

अर्थव्यवस्था की तस्वीर काफी बदल सकती है। लेकिन इसी संदर्भ में दूसरा पक्ष और भी अधिक चिंता पैदा करता है। जिस महिला के योगदान को सर्वोच्च न्यायालय राष्ट्र निर्माण का आधार मान रहा है, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने सफल 12 वर्ष के रिकार्ड प्रधानमंत्री शासन की आयोजनाओं के अवसर पर महिलाओं के सर्वांगीण विकास एवं सम्मान की अधिकारी मान कर रहे हैं, क्या उसे वह सम्मान, सुरक्षा और गरिमा प्राप्त है जिसकी वह अधिकारी है? दुर्भाग्य से इसका उत्तर संतोषजनक नहीं है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) के आंकड़े बताते हैं कि महिलाओं के विरुद्ध हिंसा आज भी एक गंभीर सामाजिक समस्या बनी हुई है। ग्रामीण क्षेत्रों में प्रत्येक चौथी महिला और शहरी क्षेत्रों में प्रत्येक छठी महिला हिंसा का सामना करती है। 18 से 49 वर्ष आयु वर्ग की विवाहित महिलाओं में लगभग 22 प्रतिशत ने स्वीकार किया है कि उन्हें वैवाहिक जीवन में घरेलू हिंसा झेलनी पड़ी। यह स्थिति एक गहरे विरोधाभास को उजागर करती है। जिस महिला को राष्ट्रनिर्माता कहा जा रहा है, वही महिला अपने घर, परिवार और समाज में असुरक्षा और हिंसा का सामना करने को विवश है। यह स्थिति तब है जब महिलाओं की सुरक्षा के लिए अनेक कानून बनाए जा चुके हैं और महिला अधिकारों को लेकर व्यापक जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि यदि कानून मौजूद हैं, योजनाएं चल रही हैं और महिला सशक्तीकरण को राष्ट्रीय एजेंडा बनाया जा चुका है, तो फिर महिलाओं के खिलाफ हिंसा क्यों नहीं रुक रही? आखिर क्यों घर से लेकर कार्यस्थल तक महिलाएं स्वयं को पूर्णतः सुरक्षित महसूस नहीं कर पातीं? इसका उत्तर केवल कानूनी व्यवस्था में नहीं, बल्कि सामाजिक मानसिकता में छिपा है। भारतीय समाज का एक बड़ा हिस्सा आज भी पितृसत्तात्मक सोच से प्रभावित है। महिलाओं को परिवार की धुरी तो माना जाता है, लेकिन निर्णय लेने की स्वतंत्रता और समान अधिकार देने में संकोच किया जाता है। एक ओर उनके श्रम पर परिवार की पूरी व्यवस्था निर्भर रहती है, दूसरी ओर उनके योगदान को पर्याप्त सम्मान नहीं मिलता। यही मानसिकता कई बार घरेलू हिंसा, आर्थिक शोषण और सामाजिक भेदभाव का कारण बनती है। आज भी दहेज प्रथा समाज पर कलंक बनी हुई है। अनेक शिक्षित परिवारों में भी दहेज की मांग और उससे जुड़े अपराध सामने आते हैं। हाल के वर्षों में दहेज हत्या और उत्पीड़न के अनेक मामले राष्ट्रीय चर्चा का विषय बने हैं। यह विडंबना ही है कि एक लड़की की शिक्षा, पालन-पोषण और विवाह पर भारी व्यय करने वाले माता-पिता को विवाह के समय अतिरिक्त आर्थिक बोझ उठाने के लिए मजबूर किया जाता है। यह केवल सामाजिक कुरीति नहीं, बल्कि महिलाओं के सम्मान पर सीधा आघात है।

इसके अतिरिक्त कई क्षेत्रों में महिलाओं को डायन बताकर प्रताड़ित करने, यौन हिंसा, बाल विवाह, मानव तस्करी और लैंगिक भेदभाव जैसी समस्याएं भी मौजूद हैं। विशेष रूप से ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में अंधविश्वासों तथा सामाजिक पिछड़ेपन के कारण महिलाओं के खिलाफ हिंसा की घटनाएं अधिक दिखाई देती हैं। यह स्थिति दर्शाती है कि आर्थिक विकास के बावजूद सामाजिक चेतना का विकास अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुंच पाया है। महिला सशक्तीकरण को केवल राजनीतिक प्रतिनिधित्व या आर्थिक अवसरों तक सीमित नहीं किया जा सकता। सशक्तीकरण का वास्तविक अर्थ है-सम्मान, सुरक्षा, समान अवसर और स्वतंत्र निर्णय क्षमता। यदि कोई महिला आर्थिक रूप से सक्षम है, लेकिन घर में हिंसा का शिकार है, तो उसे पूर्णतः सशक्त नहीं कहा जा सकता। इसी प्रकार यदि उसे राजनीतिक प्रतिनिधित्व मिल जाए, लेकिन सामाजिक सम्मान न मिले, तो भी सशक्तीकरण अधूरा रहेगा।

आज आवश्यकता इस बात की है कि महिला सशक्तीकरण को बहुआयामी दृष्टि से देखा जाए। महिलाओं के घरेलू श्रम को मान्यता देने के साथ-साथ उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना भी उतना ही आवश्यक है। विद्यालयों और परिवारों में लैंगिक समानता के संस्कार विकसित किए जाएं। पुरुषों और लड़कों को भी इस परिवर्तन प्रक्रिया का भाग बनाया जाए। केवल महिलाओं को जागरूक करने से समस्या का समाधान नहीं होगा, समाज की सोच में परिवर्तन लाना होगा। ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक बनाने, शिक्षा और रोजगार के अवसर बढ़ाने तथा कानूनी सहायता उपलब्ध कराने की आवश्यकता है। पुलिस और प्रशासन को महिलाओं से जुड़े मामलों में अधिक संवेदनशील और उत्तरदायी बनाना होगा। कानूनों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना होगा ताकि अपराधियों में दंड का भय उत्पन्न हो और पीड़ित महिलाओं को न्याय प्राप्त हो सके। साथ ही यह भी आवश्यक है कि महिलाओं के अवैतनिक श्रम को राष्ट्रीय आर्थिक विमर्श का हिस्सा बनाया जाए।

आज का राशिफल

मेष

संतान की प्रगति संभव है। भूमि व संपत्ति संबंधी कार्य होंगे। अतिथियों का आवागमन रहेगा। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। पूर्व कर्म फलीभूत होंगे। परिवार में सुखद वातावरण रहेगा।

वृष

शत्रु सक्रिय रहेंगे। शोक समाचार मिल सकता है। थकान महसूस होगी। व्यावसायिक चिंता रहेगी। व्ययों में कटौती करने का प्रयास करें। वाहन चलाते समय सावधानी रखें।

मिथुन

व्यापार में इच्छित लाभ होगा। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। जोखिम न लें। क्रोध एवं उत्तेजना पर संयम रखें। सत्कार्य में रुचि बढ़ेगी।

कर्क

रोमांस में समय बीतेगा। मेहनत का फल मिलेगा। कार्यपद्धति में विश्वसनीयता बनाएँ रखें। धनार्जन होगा। स्वाभिमान बना रहेगा। नई योजनाओं की शुरुआत होगी।

सिंह

कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। परिवार में प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। व्यापार के कार्य से बाहर जाना पड़ सकता है।

कन्या

वाहन सावधानी से चलाएँ। कोर्ट-कचहरी में अनुकूलता रहेगी। अपने काम से काम रखें। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न करें। आवास संबंधी समस्या हल होगी। आलस्य न करें।

तुला

आर्थिक अनुकूलता रहेगी। रुका धन मिलने से धन संग्रह होगा। राज्यपक्ष से लाभ के योग हैं। संतान के व्यवहार से कष्ट होगा। सहयोगी मदद नहीं करेंगे। उत्तेजना पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक

चोट, चोरी व विवाद से हानि संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। कुसंगति से हानि होगी। परिवार की समस्याओं का समाधान हो सकेगा। व्यापार में नई योजनाएँ बनेंगी।

धनु

पूजा-पाठ में मन लगेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा।उधार दिया धन मिलने से राहत हो सकती है। जीवनसाथी का सहयोग उलझे मामले सुलझाने में सहायक हो सकेगा।

मकर

व्यापार अच्छा चलेगा। राजकीय बाधा दूर होकर लाभ होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। क्रोध पर नियंत्रण रखें। लाभ होगा। रुके हुए काम समय पर पूरे होने से आत्मविश्वास बढ़ेगा।

कुंभ

निवेश व नौकरी लाभ देंगे। व्यापार अच्छा चलेगा। कार्य के विस्तार की योजनाएँ बनेंगी। रोजगार में उन्नति एवं लाभ की संभावना है। भूमि व भवन संबंधी कार्य लाभ देंगे।

मीन

रोजगार मिलेगा। शत्रु भय रहेगा। पठन-पाठन में रुचि बढ़ेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। विवाद न करें।

स्वास्थ्य समाचार

सुबह खाली पेट त्रिफला चूर्ण खाने से सेहत को मिलेंगे यह जबरदस्त फायदे

संपूर्ण स्वास्थ्य की भलाई के लिए त्रिफला एक बेहतरीन हर्बल उपचार है। जिसका प्रयोग आयुर्वेद में प्राचीन काल से ही कई शारीरिक रोगों के उपचार के लिए किया जाता रहा है। इसका नियमित सेवन से सेहत को कई लाभ मिलते हैं। दरअसल, त्रिफला तीन आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों आंवला, हरड़ और बहेड़ा का मिश्रण है। इस मिश्रण में शक्तिशाली गुण पाए जाते हैं, यह विटामिन सी, एंटीऑक्सीडेंट्स, एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों के साथ ही कई एक्टिव कंपाउंड से भरपूर होता है। इसलिए इसका सेवन सेहत के लिए बहुत लाभकारी माना जाता है। खासकर, अगर आप सुबह खाली पेट त्रिफला का सेवन करते हैं, तो इससे कई स्वास्थ्य लाभ मिलेंगे। इससे कई रोगों को दूर भगाने में भी मदद मिलेगी।

ओरल हेल्थ के लिए है लाभकारी है

मुंह और दांतों को स्वस्थ रखने में त्रिफला कई तरह से लाभकारी साबित हो सकता है। इसमें एंटीमाइक्रोबियल और एंटी इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जिससे यह दांत में प्लाक के निर्माण को रोकने में मदद करता है। इस तरह यह दांतों में कीड़ा लगने से रोकने, साथ ही मसूड़ों की सूजन कम करने में भी लाभकारी है।

पेट को रखे स्वस्थ

पेट संबंधी समस्याओं जैसे कब्ज, एसिडिटी, गैस, ब्लोटिंग, पेट दर्द और अपच आदि जैसी समस्याओं से छुटकारा दिलाने में त्रिफला बहुत लाभकारी है। यह पाचन शक्ति बढ़ाता है। साथ ही यह इसमें रेचक गुण होते हैं। यह पेट की जलन को शांत और सूजन को कम करता है।

वेट लॉस में है लाभकारी है

अध्ययन में पाया गया है कि शरीर की चर्बी को कम करने में त्रिफला बहुत फायदेमंद है। खासकर यह पेट के आसपास जमा जिद्दी की चर्बी कम करने में मदद करता है। अगर कोई व्यक्ति संतुलित आहार और नियमित एक्सरसाइज के साथ सुबह खाली पेट त्रिफला का सेवन करता है, तो इससे तेजी से वेट लॉस में मदद मिल सकती है।

सूजन से लड़ने में है लाभकारी है

एंटी-इन्फ्लेमेटरी और एंटीऑक्सिडेंट गुणों से भरपूर त्रिफला शरीर की सूजन कम करने में मदद करता है। साथ ही इसमें विटामिन सी, पोलीफेनोल, टैनिन और सपोनिन जैसे सक्रिय यौगिक भी होते हैं, जो शरीर में ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस को कम करने में मदद करते हैं। जिससे शरीर में सूजन और कई गंभीर रोगों के जोखिम को कम करने में मदद मिलती है।

कैंसर के जोखिम को करे कम

सुबह खाली पेट त्रिफला का सेवन करने से कैंसर जैसे गंभीर रोगों से बचाव और उनके विकास के जोखिम को कम करने में मदद मिल सकती है। ऐसा इसलिए क्योंकि यह शक्तिशाली एंटीऑक्सिडेंट्स गुणों से भरपूर होता है, यह शरीर में फ्री-रेडिकल्स को बेअसर करता है, जो कैंसर कोशिकाओं के विकास में योगदान देते हैं।

दिल को दुरुस्त रखना है तो पुदीना खाएं

पुदीना एक आयुर्वेदिक हर्ब है। ताजगी और स्वाद बढ़ाने के लिए इसका प्रयोग अधिक किया जाता है। इसे स्किन और बालों के लिए भी बढ़िया माना जाता है। भोजन को स्वादिष्ट बनाने के अलावा हम इसके गुणों के कारण एसिडिटी, गैस, ब्लोटिंग आदि की समस्या को दूर करने के लिए भी पुदीने के अर्क का प्रयोग करते आये हैं।

ब्लड प्रेशर कंट्रोल करता है

ब्लड प्रेशर बढ़ने का प्रभाव हृदय पर पड़ता है। पुदीना हाई ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करता है। यदि किसी व्यक्ति को हाई ब्लड प्रेशर है, तो चल रही दवाओं के साथ पुदीना के रस का सेवन करने से फायदा मिल सकता है। इसके लिए दिन में दो बार 3-4 बड़े चम्मच ताजा पुदीने का रस लिया जा सकता है। आहार में बिना नमक डाले पुदीने की चटनी भी खाई जा सकती है।

तनाव का मैनेजमेंट करता है

स्ट्रेस अधिक होने का सीधा प्रभाव हमारे हृदय स्वास्थ्य पड़ पड़ता है। पुदीने की ताज़गी भरी खुशबू शरीर और दिमाग को शांत कर देती है। यह माइंड को रिलैक्स कर देती है। यदि आप तनाव दूर कर अपने हार्ट को मजबूत बनाये रखना चाहती हैं, तो नहाने के पानी में मिंट एसेंशियल आयल की एक-दो बूंदें डाल दें। वेपोराइज़र के माध्यम से पुदीने के अर्क का उपयोग किया जा सकता है। इनके अलावा नियमित रूप से पुदीने की चाय पीने से मांसपेशियों को आराम मिल सकता है। रिलैक्स हो सकती हैं।

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है

पुदीना एंटी बैकटीरियल और एंटीऑक्सीडेंट गुणों वाला भी है। यह कई तरह की बीमारियों को शरीर से दूर रखने के लिए प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ावा देता है। इसमें विटामिन ए, एसेंशियल विटामिन बी-कॉम्प्लेक्स, विटामिन बी, कैल्शियम और पोटेशियम जैसे अन्य मिनरल्स भी भरपूर होते हैं। ये शरीर की ताकत बढ़ाते हैं और जीवन शक्ति में सुधार करते हैं।

कैसे करें प्रयोग

पुदीने की पत्तियां कोमल हर्ब हैं। इन्हें कच्चा या खाना पकाने की प्रक्रिया के अंत में प्रयोग करना सबसे अच्छा है। इससे स्वाद बरकरार रहता है। यदि संभव हो तो पुदीना की पत्तियों का प्रयोग करें। पुदीना उगाना आसान है।

पुदीना ड्रिंक बनाएं

स्टीविया की पत्तियों के साथ पुदीने की पत्तियों को कूटें। कुटी हुई पुदीने की पत्तियों और स्टीविया की पत्तियों के साथ नींबू का रस मिलाएं।

फ्रूट पुदीना चाट

सेब, नाशपाती के स्लाइसेस काट लें। इसमें अनार के दाने, नींबू का रस मिलाएं। आधा टी स्पून हनी और 1 टेबल स्पून पुदीना की पत्ती मिलाएं।

मिंट कुकुम्बर ड्रिंक

एक ग्लास पानी में पुदीने की पत्तियां और खीरा के स्लाइसेज डाल दें। कुछ घंटों बाद छानकर स्वादिष्ट ड्रिंक पीयें।

मिंट कुकी

कोई भी हेल्दी कुकीज तैयार कर रही हैं, तो इसके डो में पुदीने की कुछ पत्तियां काट कर एड कर दें। बैटर को अवन में रखने से पहले भी कुकी को पुदीने की पत्तियों से सजा सकती हैं।

मिंट टी

लो फ्लेम पर पुदीने की एक मुट्ठी पत्ती को उबालें। इसमें दालचीनी पाउडर भी एड कर सकती हैं। इसे शहद के साथ पीयें।

हार्मोन की गड़बड़ी भी बनती है मुंहासों का कारण इसे दूर करने के लिए जरूरी सप्लीमेंट्स

गंदगी और प्रदूषण की वजह चेहरे पर कई तरह की समस्याएं हो सकती है। लेकिन, त्वचा पर मुंहासे होने की केवल यही वजह नहीं होती है। इसके अलावा, शरीर में होने वाले हार्मोनल बदलाव असर पर भी त्वचा पर साफ देखने को मिलता है। शरीर में हार्मोनल बदलाव की वजह से स्किन पर मुंहासे और दानों की समस्या हो सकती है। अक्सर टीनएज में लड़कियों को हार्मोनल एक्ने की समस्या देखने को मिलती है। महिलाओं में पीरियड्स के दौरान हार्मोन उतार-चढ़ाव होता है। इसकी वजह से मूड स्विंग्स और स्किन प्रॉबल्म हो सकती है।

जिंक

जिंक हार्मोनल एक्ने को कम करने के लिए उपयोगी होती है। जिंक हार्मोन के उत्पादन और कार्य को नियमित करता है। इससे इम्यून सिस्टम बेहतर होता है। इसके अलावा, जिंक में एंटी इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो स्किन के मुंहासों के निशान और घावों को कम करने में मदद करता है। इससे डैमेज स्किन तेजी से रिपेयर होती है। जिंक को डाइट में शामिल करने के लिए आप नट्स, सीड्स, साबुत अनाज और फलियों को शामिल कर सकते हैं।

ओमेगा-3 फैटी एसिड

ओमेगा-3 फैटी एसिड अपने एंटी इंफ्लेमेटरी गुणों होते हैं, जो त्वचा को साफ करने और समस्याओं को दूर करने में सहायक होते हैं। ओमेगा 3 फैटी एसिड हार्मोन को बैलेंस करने में मदद करता है। दरअसल, हार्मोन में बदलाव की वजह से स्किन पर मुंहासों होने लगते हैं। ओमेगा-3 त्वचा की नमी को बनाए रखने और त्वचा की इलास्टिसिटी में सुधार करने में भी मदद कर सकता है। साथ ही, इससे रंगत में निखार आता है। इसे डाइट में लेने के लिए आप अलसी के बीज, चिया सीड और अखरोट आदि चीजों को शामिल कर सकते हैं।

विटामिन ए

त्वचा को स्वस्थ बनाए रखने में विटामिन ए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, यह मुख्य रूप से त्वचा के सेल्स और सीबम (त्वचा का प्राकृतिक तेल) के उत्पादन को बैलेंस करने में सहायक होता है। विटामिन ए का पर्याप्त स्तर सीबम उत्पादन को नियंत्रित करता है, जिससे रोम छिद्र बंद होने की समस्या में कमी आती है। इससे मुंहासे होने की संभावना भी कम हो जाती है। बीटा-कैरोटीन से भरपूर खाद्य पदार्थ, जैसे शकरकंद, गाजर और गहरे हरे पत्ते, पूर्ववर्ती विटामिन ए के उत्कृष्ट स्रोत हैं।

प्रोबायोटिक्स

आंतों और पेट के स्वास्थ्य के लिए प्रोबायोटिक्स का उपयोग किया जा सकता है। गट हेल्थ इम्प्रूव होने से मुंहासों में कमी आती है। प्रोबायोटिक्स आंतों के अच्छे बैक्टीरिया को बढ़ाकर पाचन क्रिया को बेहतर करते हैं। हार्मोन को नियंत्रित करने और सूजन को कम करने के लिए आप प्रोबायोटिक्स युक्त चीजों जैसे दही को डाइट में शामिल कर सकते हैं।

ग्रामीण सेवा शिविर का शुभारंभ

कृष्ण कुमार गांधी

सूरजगढ़ (नवयत्न)। उपखंड के ग्राम पंचायत अगवाना खुर्द व फरट पंचायत में राज्य सरकार द्वारा आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर का आयोजन हुआ। शुक्रवार को भारत निर्माण सेवा केंद्र में आयोजित शिविर का शुभारंभ उपखंड अधिकारी स्वाति झा, विकास अधिकारी गणेशाराम जाखड़, तहसीलदार जयसिंह मीणा, प्रशासक अनिता देवी, शिविर संयोजक सुरेन्द्र भाटिया व निवर्तमान प्रधान बलवान सिंह ने किया। शिविर के दौरान सहायक विकास अधिकारी धर्मवीर श्योराण, ग्राम विकास अधिकारी भरत फोगाट, हरिकेश मीणा सहित सभी विभागों के अधिकारी व कार्मिक उपस्थित रहे। शिविर के प्रारम्भ में योग दिवस के सम्बन्ध में पंजीयन प्रक्रिया करवाई गई व स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। इस दौरान पंचायती राज विभाग द्वारा 8 पट्टे जारी कर उन्हें मालिकाना हक दिया गया इसके अलावा पशु पालन विभाग द्वारा दस बीमा पालिसी वितरित की गई। विद्युत एवं जलदाय विभाग द्वारा दो दो परिवादों का एवं परिवहन विभाग द्वारा तीन परिवादों का निस्तारण किया गया। आयुष विभाग द्वारा 88 लोगों को परामर्श व औषधी वितरित की गई। सामाजिक एवं अधिकारिता विभाग दवारा 4 पेंशनर का सत्यापन किया गया, कृषि एवं उद्यानिकी विभाग द्वारा 124 लोगो को एवं सहकारिता विभाग द्वारा 73 लोगों द्वारा विभाग से सम्बन्धित जानकारी दी गई। राजस्व विभाग द्वारा 9 खाता शुद्धीकरण, 30 कृषि पंजीयन एवं 5 नामान्तरण के कार्य कर ग्राम पंचायत अगवाना खुर्द के ग्रामीणों को लाभान्वित किया गया।

क्रिकेट खिलाड़ी हैप्पी कुमारी को जेजेटी यूनिवर्सिटी ने किया सम्मानित

निलेश मुद्गल

झुंझुनू (नवयत्न)। जेजेटी यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित सीनियर महिला राज्य स्तरीय टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता के समापन अवसर पर झुंझुनू की होनहार क्रिकेट खिलाड़ी हैप्पी कुमारी को भव्य सम्मान प्रदान किया गया। यह सम्मान समारोह यूनिवर्सिटी के क्रिकेट मैदान पर आयोजित किया गया, जिसमें खेल और शिक्षा जगत की कई प्रतिष्ठित हस्तियों ने भाग लिया। खेल निदेशक डॉ अरुण कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि हैप्पी कुमारी राजस्थान की पहली महिला क्रिकेट खिलाड़ी हैं जिन्होंने वुमन प्रीमियर लीग में चयनित होकर प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। इतना ही नहीं वे अंडर-19 वर्ग में एशियन क्रिकेट चैंपियनशिप में भाग लेने वाली भी राजस्थान की पहली महिला खिलाड़ी हैं। उनकी इस ऐतिहासिक उपलब्धि के सम्मान में यूनिवर्सिटी प्रशासन द्वारा उन्हें 11 हजार का नगद पुरस्कार (चेक) भेंट कर सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि यह सीनियर महिला राज्य स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता जिला क्रिकेट संघ के तत्वावधान में एवं राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के अधीन सफलतापूर्वक आयोजित की गई। प्रतियोगिता में चूरू, झुंझुनू, सीकर एवं डूंगरपुर की टीमों ने भाग लिया। यूनिवर्सिटी की प्रेसिडेंट डॉ मधु गुप्ता ने हैप्पी कुमारी को झुंझुनू की बेटी और महिला खेलों की प्रेरणादायक एंबेसडर बताते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि हैप्पी की उपलब्धि प्रदेश की अन्य बेटियों के लिए प्रेरणा स्रोत है। इस अवसर पर यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार डॉ अजीत कुमार, मुख्य वित्त अधिकारी डॉ अमन गुप्ता, डॉ महेश सिंह, डॉ सुरेन्द्र कुमार, पूर्व जिला सैनिक कल्याण अधिकारी मेजर जयराम सिंह, जिला क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव हरिशचंद्र सिंह राठौड़, हैप्पी कुमारी के पिता राजेश खीचड़, डॉ रामनिवास सोनी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

हादसे का इंतजार : क्षतिग्रस्त कलवट पुल बना खतरा

निसं

खेतड़ी नगर (नवयत्न)। केसीसी टाउनशिप के हाट बाजार के पास थर्ड सेक्टर स्थित आवासीय क्वार्टरों के सामने बने नाले पर निर्मित कलवट पुल क्षतिग्रस्त होने से लोगों को आने-जाने में काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। पुल के बीच हिस्से में दो स्थानों पर गड्ढे हो गए हैं, जिनमें से लोहे के सरीए बाहर निकल आए हैं। मुकेश कुमार ने बताया कि सुभाष मार्केट से थर्ड ए सेक्टर की ओर जाने वाले लोगों के लिए यही मुख्य मार्ग है। आवासीय क्वार्टरों तक पहुंचने के लिए प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग इसी पुल का उपयोग करते हैं लेकिन पुल की हालत लगातार खराब होती जा रही है। उन्होंने बताया कि क्षतिग्रस्त हिस्से के कारण कई बार हादसे भी हो चुके हैं। बाहर निकले सरीए वाहन चालकों और पैदल राहगीरों के लिए खतरा बने हुए हैं। स्थिति ऐसी है कि चार पहिया वाहन तो दूर, दुपहिया वाहन निकालने में भी लोगों को डर लग रहा है। इस संबंध में टाउनशीप नगर प्रशासन को कई बार अवगत कराया जा चुका है लेकिन अब तक मरम्मत कार्य शुरू नहीं किया गया। लोगों ने जल्द पुल की मरम्मत करवाने और सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है ताकि किसी बड़े हादसे से पहले समस्या का समाधान हो सके।

गौशाला की दीवार तोड़ने पर ग्रामीणों में आक्रोश
विरोध प्रदर्शन कर ज्ञापन देकर की कार्रवाई की मांग

निसं

खेतड़ी (नवयत्न)। खेतड़ी उपखंड के बबाई गांव में गौशाला की जमीन से जुड़ा विवाद शनिवार को तूल पकड़ गया। इस दौरान ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन कर थानाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों ने दिवार तोड़ने वालो के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों का आरोप कि कुछ भू-माफियाओं ने गौशाला की दीवार तोड़कर वहां से रास्ता निकाल लिया और बाद में रातोंरात गौशाला की ओर नई दीवार खड़ी कर दी।

घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में गौ रक्षक एवं ग्रामीण मौके पर एकत्रित हो गए। गौ रक्षक दल के अध्यक्ष गगन खटाना के नेतृत्व में ग्रामीणों और गौ सेवकों ने विरोध प्रदर्शन कर संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि गौशाला की भूमि पर अतिक्रमण करने का प्रयास किया जा रहा है, जिसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मौके पर मौजूद लोगों ने प्रशासन से मांग की कि गौशाला की ओर बनाई गई दीवार को हटाकर भूमि को पूर्व स्थिति में बहाल किया जाए तथा दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं की गई तो वे सड़क जाम कर बड़े स्तर पर आंदोलन करने को मजबूर होंगे। घटना को लेकर क्षेत्र में तनाव का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि गौशाला की भूमि और गौधन की सुरक्षा के लिए वे लगातार संघर्ष करते रहेंगे।

प्रशासनिक अधिकारियों से मामले में हस्तक्षेप कर उचित कार्रवाई करने की मांग की गई है। घटना की सूचना पर थानाधिकारी राजपाल सिंह मौके पर पहुंचे तथा घटनास्थल का मौका मुआयना किया।

इस दौरान ग्रामीणों ने थानाधिकारी को ज्ञापन देकर कार्रवाई की मांग की। थानाधिकारी ने बताया कि ग्रामीणों की ओर से दिए ज्ञापन पर मामले की जानकारी जुटाई जा रही है तथा आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। इस मौके पर पिंकू गुर्जर, बादशाह खेतड़ी, सचिन, विशाल कुमार, गजराज सिराधना, मिठू सिराधना, घनश्याम गुर्जर, रोहिताश तिवारी, पवन कुमार, प्रदीप कुमार, सुरेश सैनी, सुनील कुमार, नरोत्तम, अक्षय सोनी, रमेश स्वामी, नरेश खटाणा सहित अनेक लोग मौजूद थे।

अंधड़ से जनजीवन प्रभावित : बिजली के खंभे व पेड़ उखड़े, स्कूल गेट क्षतिग्रस्त

निसं

खेतड़ी नगर (नवयत्न)। क्षेत्र में शुक्रवार देर रात करीब नौ बजे आए तेज अंधड़ ने जनजीवन को प्रभावित कर दिया। तेज हवा के कारण कई स्थानों पर पेड़ और बिजली के खंभे टूट गए, जिससे देर रात तक बिजली आपूर्ति बाधित रही। बिजली गुल होने से कई क्षेत्रों के लोगों को रातभर अंधेरे में समय बिताना पड़ा। अंधड़ करीब आधे घंटे तक जारी रहा। इसके बाद हल्की बरसात होने से लोगों को गर्मी से कुछ राहत मिली। हालांकि तेज हवा के कारण कई स्थानों पर नुकसान भी हुआ। केसीसी टाउनशीप स्थित राउमावि के मुख्य द्वार पर लगा स्कूल नाम के लोहे का बोर्ड तेज हवा की चपेट में आने से टूटकर क्षतिग्रस्त हो गया। वहीं क्षेत्र में कई दुकानों के होर्डिंग भी उखड़कर दूर जा गिरे।

पायलट की पुण्यतिथि पर दी भावभीनी श्रद्धांजलि

कृष्ण कुमार गांधी

सूरजगढ़ (नवयत्न)। लोकप्रिय किसान नेता व पूर्व केन्द्रीय मंत्री स्व. राजेश पायलट की पुण्यतिथि पर उन्हे भावभीनी श्रद्धांजली अर्पित की गई। पूर्व चेयरमैन सुरेश कुमार शर्मा के नेतृत्व में उनके समर्थकों द्वारा स्व. पायलट की 26वीं पुण्यतिथि पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजली अर्पित की गई। इस दौरान पूर्व चेयरमैन सुरेश शर्मा ने स्व. पायलट की जीवनी पर प्रकाश डाला। इस मौके पर शंकर सैनी, लीलाधर मिस्त्री, राजेश कुमार जोशी, उम्मेद टेलर, बृजमोहन, जुगल किशोर, किशोरी लाल गोगावत, दिनेश शर्मा, मुकेश बाकोलिया, सुनिल डिडवानिया, सौरभ शर्मा, विकास शर्मा, विनय कुमावत, कालुराम चंदेलिया, सचिन कनवाड़िया सहित गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

एनजेसीसी की मीटिंग में कर्मचारियों को मिली बड़ी सौगात

ग्रेच्युटी का भुगतान एक अक्टूबर 2025 से 25 लाख तक करने का लिया निर्णय

निसं

खेतड़ी नगर (नवयत्न)। हिन्दुस्तान कॉपर लिमिटेड के कोलकात्ता मुख्यालय में दो दिवसीय 11 व 12 जून को एचसीएल सीएमडी संजीव कुमार सिंह की अध्यक्षता में एनजेसीसी की मीटिंग हुई। मीटिंग में कर्मचारियों के हितों से जुड़े कई अहम निर्णय लिए गए। केटीएसएस महामंत्री बिड़दूराम सैनी ने बताया कि 11 व 12 जून को एचसीएल के कोलकात्ता मुख्यालय में एनजेसीसी की बैठक हुई। बैठक के दौरान कामगारों को ग्रेच्युटी का भुगतान 1 नवंबर 2017 से 20 लाख रुपए तक तथा 50 प्रतिशत डीए होने की स्थिति में 1 अक्टूबर 2025 से 25 लाख रुपए तक किया जाएगा। इसके अलावा एक्सग्रेशिया एवं परफॉर्मेंस इंसेंटिव स्कीम के स्थान पर नई अनुकूल परफॉर्मेंस रिवार्ड स्कीम लागू करने का निर्णय लिया गया, जिसे वर्ष 2025-26 से प्रभावी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सभी ठेका कामगारों को न्यूनतम वेतन के मूल वेतन की 15 प्रतिशत राशि के बराबर भुगतान 1 जून 2026 से किया जाएगा।

इसी प्रकार ठेका कर्मचारियों को कैंटिन अलाउंस दस रूपए से बढ़ाकर एक जून से 20 करने, ठेका कामगारों के बच्चों के लिए छात्रवृत्ति योजना की घोषणा की गई, इसके तहत 10वीं उत्तीर्ण विद्यार्थियों को 2100 तथा 12वीं उत्तीर्ण विद्यार्थियों को 5100 की सहायता राशि दी जाएगी। सैनी ने बताया कि एचसीएल में औद्योगिक संबंध संहिताएं एवं नियमों के तहत बने मॉडल स्टैंडिंग ऑर्डर को मानकर कंपनी में एक समान मॉडल स्टैंडिंग ऑर्डर लागू करने पर सहमति बनी।

एनजेसीसी की बैठक में निदेशक प्रचालन डॉ. संजीव कुमार सिन्हा, निदेशक खनन जीडी गुप्ता, निदेशक वित्त आरएनवी विश्वेकसरिया, केसीसी कार्यपालक निदेशक पुरूषोत्तमदास बोहरा, केटीएसएस महामंत्री बिड़दूराम सैनी, विनय त्यागी, बाबूलाल सैनी, तेजपाल सहित विभिन्न ईकाईयों के अधिकारी व यूनियनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

विश्व रक्तदाता दिवस पर बीडीके अस्पताल में रक्तदान शिविर आज
जिलेभर में ब्लड सैपरेशन सुविधा वाला एकमात्र सरकारी ब्लड बैंक

संजय सोनी

झुंझुनू (नवयत्न)। विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर जिले के सबसे बड़े राजकीय बीडीके अस्पताल में रविवार को रक्तदान शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक चलेगा, जिसमें आमजन स्वैच्छिक रूप से रक्तदान कर सकेंगे। ब्लड बैंक प्रभारी एवं उपनिदेशक डॉ राकेश कुमार ने बताया कि बीडीके अस्पताल में प्रतिदिन 15 से 20 यूनिट रक्त जरूरतमंद मरीजों को ट्रांसफ्यूज किया जाता है। यह रक्त विशेष रूप से गंभीर ट्रॉमा मरीजों, प्रसूताओं और रक्त अल्पता से पीड़ित रोगियों के लिए जीवनरक्षक साबित होता है। पीएमओ एवं वरिष्ठ शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ जितेंद्र भाम्बू ने बताया कि स्वास्थ्यकर्मी मरीजों के उपचार के साथ-साथ स्वैच्छिक रक्तदान में भी बढ़-चढ़कर भाग लेते हैं। डॉ दुष्यंत बसेरा, डॉ विजय झाझड़िया, डॉ संजय खीचड़, डॉ प्रमोद सहित अन्य स्टाफ समय-समय पर रक्तदान कर मानवता की मिसाल पेश करते रहे हैं।

ऐसे काम करती है ब्लड सैपरेशन मशीन

बीडीके अस्पताल के ब्लड बैंक में उपलब्ध ब्लड सैपरेशन मशीन के माध्यम से दान किए गए रक्त को अलग-अलग घटकों में विभाजित किया जाता है। इस प्रक्रिया में रक्त को विशेष मशीन (सेंट्रीफ्यूज) में घुमाया जाता है, जिससे उसके प्रमुख घटक रेड ब्लड सेल, प्लाज्मा और प्लेटलेट्स अलग हो जाते हैं। इसके बाद इन घटकों को अलग-अलग बैग में सुरक्षित रखा जाता है और मरीज की जरूरत के अनुसार उपयोग किया जाता है। उदाहरण के तौर पर एनीमिया मरीज को केवल रेड ब्लड सेल, डेंगू या प्लेटलेट्स की कमी वाले मरीज को प्लेटलेट्स जबकि जलने या अन्य गंभीर स्थितियों में प्लाज्मा दिया जाता है। इस तकनीक से एक यूनिट रक्त से 2 से 3 मरीजों की जान बचाई जा सकती है।

उन्होंने बताया कि बीडीके अस्पताल का ब्लड बैंक जिले का एकमात्र सरकारी केंद्र है, जहां यह सुविधा उपलब्ध है। अस्पताल प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि वे विश्व रक्तदाता दिवस पर आगे आकर स्वैच्छिक रक्तदान करें और जरूरतमंदों के जीवन बचाने में सहयोग दें।

कांग्रेस पदाधिकारियों की बैठक आयोजित

निसं

खेतड़ी (नवयत्न)। खेतड़ी कस्बे के चांदमारी रोड स्थित कार्यालय में कांग्रेस कमेटी की बैठक का आयोजन किया गया। राजस्थान सह प्रभारी चिरंजीवी राव की अध्यक्षता में हुई बैठक में संगठन को मजबूत बनाने पर जोर दिया गया। उन्होंने बताया कि बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठन को सशक्त बनाना, कार्यकर्ताओं में समन्वय बढ़ाना और कांग्रेस की गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाना रहा। प्रदेश सह प्रभारी चिरंजीवी राव ने अपने संबोधन में कहा कि कांग्रेस की मजबूती कार्यकर्ताओं की एकजुटता और सक्रियता पर निर्भर करती है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से आपसी तालमेल के साथ कार्य करने, बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने और आमजन से निरंतर संपर्क बनाए रखने का आह्वान किया। बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों ने संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए अपने सुझाव रखे और कांग्रेस की नीतियों व विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर कांग्रेस के मंडल अध्यक्ष, नगर अध्यक्ष, ब्लॉक कार्यकारिणी एवं जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक में संगठनात्मक ढांचे की समीक्षा करते हुए आगामी कार्ययोजना पर चर्चा की गई। इस मौके पर पूर्व मंत्री डॉ जितेंद्र, गोकुलचंद सैनी, जिलाध्यक्ष रीटा चौधरी, महिला जिलाध्यक्ष शकुंतला यादव, नगर अध्यक्ष निकेश पारीक, प्रदुम्न सिंह, रमेश खंडेलवाल, हजारीलाल सैनी, रामवतार सैनी, चंदगीराम सैनी, शीशराम गुर्जर, धर्मवीर दुधवा, विनोद शर्मा, सहीराम, बाबूलाल नायक सहित अनेक लोग मौजूद थे।

कांग्रेस सह प्रभारी चिरंजीव राव का किया स्वागत

निसं

खेतड़ी नगर (नवयत्न)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस के सह प्रभारी एवं रेवाड़ी के पूर्व विधायक चिरंजीव राव का शनिवार शाम को कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। चिरंजीव राव खेतड़ी में आयोजित पार्टी कार्यक्रम में भाग लेने जा रहे थे। इसी दौरान केसीसी के आजाद मार्केट स्थित कांग्रेस कार्यालय के पास कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। शीशराम गुर्जर एवं इंटक यूथ जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने चिरंजीव राव तथा पूर्व ऊर्जा मंत्री डॉ जितेंद्र सिंह का माला एवं साफा पहनाकर अभिनंदन किया। इस अवसर पर चिरंजीव राव ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस संगठन की ताकत कार्यकर्ताओं से ही बनती है और पार्टी की विचारधारा को गांव-ढाणी तक पहुंचाना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि जनता से निरंतर संवाद और जमीनी स्तर पर सक्रियता संगठन को और मजबूत बनाती है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर पार्टी की नीतियों को आमजन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

इस मौके पर जिलाध्यक्ष रीटा चौधरी, महिला जिलाध्यक्ष शकंतला यादव, धर्मवीर दुधवा, महेंद्र लताला, अजय चनेजा, हिमांशु सैनी, मोहित मेघवाल, सोनू, मयंक, प्रवीण, दीपक, अमन धायल, संजू चनेजा, सूरज चनेजा, सतपाल यादव, सौरभ नालपूर, हंशराज, गौतम सैनी, आशीष, देवेंद्र सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद थे।

काशीपुरीश्वर महादेव मन्दिर में 24 घंटे का अखंड श्रीहरिनाम संकीर्तन

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। माण्डेता स्थित श्री काशीपुरीश्वर महादेव मन्दिर परिसर में शनिवार से 24 घंटे का अखंड श्रीहरिनाम संकीर्तन आयोजित किया गया। महन्त स्वामी कानपुरी महाराज के सानिध्य में आयोजित कार्यक्रम में भक्तों ने नाचते गाते हरीनाम संकीर्तन में धर्म लाभ कमाया। इस अवसर पर स्वामी कानुपरी महाराज ने कहा कि कलियुग में नाम की महिमा ही सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि संकीर्तन का उद्देश्य क्षेत्र में सुख, समृद्धि और विश्व कल्याण की कामना है। पं उमाकान्त लाटा ने विधिपूर्वक पूजन करवाकर श्री हरि नाम संकीर्तन का शुभारंभ करवाया। जिसमें साध्वी सन्तोषपुरी ढींगसरी, महन्त भंवरलाल तंवरा, कुमाराम जांगिड़ पुनसीसर, डूंगरराम पांडिया पुनसीसर, बजरंगलाल बोदलिया, भगतसिंह बीकानेर, गोपाल प्रजापत, कैलाशचन्द्र शर्मा हापास,

नन्दलाल फौजी, विद्याधर हापास, विद्याधर पारीक, किशनलाल जांगिड़, मलसीसर, मनीराम खामियाद, बजरंगलाल स्वामी, पवन कुमार पारीक, विनोद कुमार शर्मा, लिछाराम धाभाई रोटू, महेश कुमार शर्मा सालासर सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

सीखे हुए कौशल को जीवन में उतारे : कालावत

जयशंकर जांगिड़

झुंझुनू (नवयत्न)। राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड जिला मुख्यालय झुंझुनू के तत्वावधान में आयोजित ग्रुप स्तरीय लघु उद्योग कला कौशल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 18 मई से ज्योति विद्यापीठ सीनियर सेकेंडरी स्कूल बगड़ में किया गया जिसका समापन समारोह सीओ स्काउट महेश कालावत के मुख्य आतिथ्य एवं विद्यालय कोऑर्डिनेटर बद्रीविशाल जांगिड़ की अध्यक्षता में समारोहपूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिविरार्थियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इस दौरान सीओ स्काउट ने कहा कि महीने भर तक सीखे कौशल से हुनर को जीवन में उतारकर उन्हें आजीविका का साधन बनाना चाहिए और गर्मियों के अवकाश का किया गया सदुपयोग तभी सार्थक होगा जब इन्हें जीवन में अपनाया जाएगा। इस अवसर पर अभिरुचि शिविर की छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुति, योग प्रस्तुति एवं विभिन्न प्रकार के बनाए गए मॉडल, सीखी गई वस्तुओं का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर विद्यालय स्टाफ एवं शिविर प्रभारी सरोज भास्कर, कुसुमलता, पार्वती, हेमलता, स्काउटर बंसीलाल आदि मौजूद रहे। विद्यालय प्रबंध सचिव चिरंजीलाल सैनी से सभी को शुभ कामनाएं प्रेषित की।

बच्चा सब्जियां खाने में करता है आनाकानी तो उन्हें इन तरीकों से करें प्रेरित, जल्द दिखने लगेगा असर

बच्चों की सही ग्रोथ के लिए पौष्टिक डाइट महत्वपूर्ण मानी जाती है। लेकिन, ज्यादातर बच्चों को सब्जियां खाना पसंद नहीं होती है। ऐसे में अपने बच्चो को सब्जियां खिलाना माता-पिता के लिए एक बड़ी चुनौती बन जाती है। कुछ बच्चों को हरी सब्जियों की गंध या बनावट पसंद नहीं आती, तो कुछ उन्हें देखकर ही नाक-भौं सिकोड़ लेते हैं। ऐसे में अभिभावको बच्चों की सेहत को लेकर चिंतित रहते हैं। ज्यादातर अभिभाको को डर लगा रहता है कि यदि बच्चा सभी तरह के पोषण को लेने के लिए सब्जियां नहीं खाएगा तो उसको स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं हो सकती है। लेकिन, ऐसे में अभिभावक सही तरीके को अपनाकर अपने बच्चों को न सिर्फ सब्जियां खाने की आदत डाल सकते हैं, बल्कि उन्हें उसका स्वाद भी पसंद आ सकता है।

बच्चों के लिए अलग-अलग रंग की सब्जियां बनाएं

बच्चे रंग-बिरंगे और आकर्षक चीजों की ओर जल्दी आकर्षित होते हैं। जब आप सब्जियां परोसें तो उन्हें विभिन्न रंगों और आकारों में काटें। उदाहरण के लिए, गाजर के गोल टुकड़े, खीरे के दिल जैसे शेप, या शिमला मिर्च की सितारे जैसी स्लाइस करें। सब्जियों को प्लेट में सजाने का तरीका भी रचनात्मक रखें, जैसे एक स्माइली फेस बनाना, आदि।

बच्चों के सुपर हीरो को सब्जियों से जोड़कर कहानी बनाएं

बच्चों को कहानियां सुनना बहुत पसंद होता है। आप सब्जियों को कहानियों में शामिल करें—जैसे पालक खाने से बच्चा सुपर स्ट्रॉन्ग बन जाता है जैसे पोपेय, या गाजर से आंखें तेज हो जाती हैं जैसे किसी सुपरहीरो की। जब बच्चे सब्जियों को एक पॉवरफुल चीज मानने लगते हैं, तो वे उसे खाने में ज्यादा रुचि दिखाते हैं।

खाना बनाने में बच्चों की भागीदारी

जब बच्चे किसी काम में खुद शामिल होते हैं, तो वे उस काम में ज्यादा दिलचस्पी लेते हैं। आप बच्चों को आसान काम दें जैसे मटर छीलना, टमाटर धोना या प्लेट सजाना। जब वे अपने हाथों से कुछ बनाएंगे, तो उसे खाने का उत्साह भी ज्यादा होगा। सब्जियों को छुपाने की जगह मजेदार रूप में पेश करें। यह सब्जियांबच्चों की इम्यूनिटी को बढ़ाने में मदद करती हैं।

बच्चों की पसंदीदा डिश में सब्जियों को मिक्स करें

अक्सर माता-पिता सब्जियों को छुपाकर परोसते हैं, जैसे पराठे में भरकर या प्यूरी बनाकर मिला देना। ये तरीका काम करता है लेकिन इससे बच्चा सब्जी से परिचित नहीं हो पाता। बेहतर होगा कि आप सब्जियों को ऐसी डिश में डालें जो उन्हें पसंद हो, जैसे पास्ता में ब्रोकली और शिमला मिर्च डालें या पिज्जा के ऊपर टॉपिंग करें।

बच्चों के साथ किसी तरह की जबरदस्ती न करें

बच्चों को जबरदस्ती करने से वे और जिद्दी हो सकते हैं। इसके बजाय उन्हें सब्जियां खाने की प्रेरणा दें। खुद भी सब्जियां खाएं और दिखाएं कि आपको इसका स्वाद पसंद है। जब बच्चे अपने माता-पिता को सब्जियां खाते हुए देखते हैं, तो वे भी उसकी नकल करने लगते हैं।

वेट लॉस से दिल की सेहत तक का ख्याल रखता है भिंडी का पानी, रोजाना पीने से मिलते हैं ये फायदे

रोटी हो या चावल, भिंडी की सब्जी के साथ दोनों ही चीजें बड़े चाव से खाई जाती हैं। आपने भी भिंडी की सब्जी को कई तरह से बनाकर परिवार के साथ बैठकर खाया होगा। पोषक तत्वों से भरपूर भिंडी स्वाद में ही नहीं बल्कि सेहत के लिए भी बेहद फायदेमंद होती है। भिंडी में मौजूद प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, विटामिन ए, सी, के, बी6, थायमिन, रिबोफ्लेविन, और कई खनिज जैसे कैल्शियम, फास्फोरस, मैग्नीशियम, आयरन जैसे पोषक तत्व, इसे सेहत के लिए बेहद फायदेमंद बनाते हैं। सेहत के लिए इतनी फायदेमंद होने के बावजूद भिंडी से जुड़ी एक बात बहुत कम लोग ही जानते हैं कि भिंडी की सब्जी की ही तरह इसका पानी भी सेहत को बहुत सारे फायदे देता है। भिंडी का पानी आपके बढ़ते मोटापे से लेकर दिल की सेहत तक का खास ख्याल रख सकता है।

पाचन में सुधार

भिंडी के पानी में मौजूद घुलनशील फाइबर पाचन तंत्र को अच्छा बनाए रखकर कब्ज की समस्या को दूर करने में मदद करते हैं। भिंडी का पानी आंतों की गतिविधि को बढ़ाकर पाचन को बेहतर बनाता है, जिससे ब्लोटिंग की समस्या में राहत मिलती है।

डायबिटीज

भिंडी का पानी मधुमेह रोगियों की रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में बेहद फायदेमंद माना जाता है। इसमें मौजूद फाइबर और पॉलीफेनॉल्स ग्लूकोज अवशोषण को धीमा करके डायबिटीज को कंट्रोल रखने में मदद करते हैं।

इम्यूनिटी करें बूस्ट

भिंडी के पानी में मौजूद विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाकर अच्छा करते हैं। जिससे व्यक्ति को सर्दी-जुकाम और अन्य संक्रमण से बचाव में मदद मिलती है।

वेट लॉस

भिंडी में कैलोरी की मात्रा कम और हाई फाइबर मौजूद होने की वजह से वजन घटाने में मदद मिल सकती है। भिंडी में मौजूद फाइबर की मात्रा भूख को नियंत्रित करके पेट को लंबे समय तक भरा हुआ महसूस करवाती है। जिससे व्यक्ति ओवर ईटिंग से बच जाता है और वेट लॉस में मदद मिलती है।

हृदय स्वास्थ्य

भिंडी के पानी में मौजूद फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स कोलेस्ट्रॉल लेवल को कंट्रोल रखकर हृदय को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करते हैं।

धूल वाली आंधी से कॉन्टैक्ट लेंस यूजर्स को रहना चाहिए ज्यादा सावधान, वरना हो सकती है दृष्टि की हानि

गर्मियों के मौसम में आंधी का खूब तूफान चलता है। इस कारण से सबसे ज्यादा आंखों को नुकसान पहुंचता है। वहीं अगर आ कॉन्टैक्ट लेंस पहनते हैं, तो यह खतरा कई गुना तक बढ़ सकता है। वहीं कुछ गंभीर मामलों में दृष्टि की हानि भी हो सकती है। क्योंकि धूल भरी आंधी के संपर्क में सबसे ज्यादा हमारी आंखें ही आती हैं। यदि किसी की आंखों में धूल या मिट्टी चली जाए, तो व्यक्ति को सामान्य चलन से लेकर गंभीर संक्रमण की समस्या हो सकती है।

कॉन्टैक्ट लेंस यूजर्स रहें सावधान

- लेंस सीधे तौर पर आपकी आंखों की सतह पर होते हैं। जिसकी वजह से बाहरी कणों और धूल के सीधे संपर्क में आने से लेंस के नीचे उनके फंसने का खतरा बढ़ जाता है। इसके कारण न सिर्फ व्यक्ति को असहजता हो सकती है, बल्कि गंभीर संक्रमण का भी जोखिम बढ़ जाता है।
- तेज हवा और धूल के संपर्क में आने के कारण आंखों का सूखापन बढ़ सकता है। वहीं जो लोग रोजाना कॉन्टैक्ट लेंस पहनते हैं, या जिनको पहले से ड्राई आई की समस्या रहती है। उन लोगों की आंखों में कुछ गिरा हुआ महसूस होना, जलन आंखों में पानी आना और लालिमा जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं।
- धूल भरी आंधी के साथ महीन और मोटे धूल कण, पराग और निर्माण की धूल आती है। जोकि आंखों में एलर्जी को ट्रिगर कर सकती हैं। इसके कारण आंखों का लाल होना, खुजली होना और चिपचिपा बलगम आ सकता है।
- आंखों के संक्रमण जैसे कंजंक्टिवाइटिस का एक मुख्य कारण धूल हो सकती है। इसकी वजह से आंखें लाल हो जाती हैं और डिस्चार्ज होने लगता है। धूल-मिट्टी के कारण आंखों में जलन होना और पलकों में सूजन आ सकती है। आंखों का संक्रमण अक्सर बैक्टीरिया के कारण होता है।
- कॉर्निया का संक्रमण या केराटाइटिस की समस्या हो सकती है। जिसके कारण अंधेपन होने की भी संभावना होती है। खासकर यह समस्या उन कॉन्टैक्ट लेंस यूजर्स में दिखाई देता है, जो धूल भरी आंधीं में फंस जाते हैं।
- जो लोग कॉन्टैक्ट लेंस लगाते हैं, उनको धूल भरी आंधी में उड़ते हुए मलबे के कारण आंखों में चोट लग सकती है।

सब्जी में धनिया-जीरा का कॉम्बिनेशन स्वाद ही नहीं बढ़ाता बल्कि सेहत को भी देता है ये खास फायदे

खाने में डाले जाने वाले मसाले सेहत के लिए जबरदस्त फायदेमंद होते हैं। सब्जी से लेकर किसी स्नैक्स का स्वाद बढ़ाना हो तो अक्सर धनिया के बीज और जीरा को कूटकर, पीसकर या फिर खड़ा ही तड़के के रूप में डाला जाता है। लेकिन ये धनिया और जीरा का कॉम्बिनेशन केवल स्वाद ही नहीं बढ़ाता बल्कि इसके फायदे भी कई सारे हैं।

ताजे मसालों के फायदे : खाने के टेस्ट को बढाने के लिए जब आप धनिया, जीरा के साबुत बीजों को पीसकर या कूटकर डालते हैं तो इससे ना केवल खाने का स्वाद बढ़ जाता है। बल्कि ये ताजे मसाले पैकेट वाले मसालों की तुलना में फायदेमंद भी ज्यादा होते हैं।

धनिया-जीरा शरीर को देगा ठंडक : गर्मियों का सीजन चल रहा है। ऐसे में बॉडी में ज्यादा हीट प्रोड्यूस होने लगती है। आयुर्वेद में धनिया की प्रकृति को ठंडा बताया गया है। धनिया और जीरा का कॉम्बिनेशन मिलाकर सब्जी या किसी दूसरी डिश में डाला जाता है। तो ये शरीर को अंदर से ठंडक देते हैं।

जिससे बॉडी में हीट प्रोड्यूस होने का प्रोसेस कम होता है।

डाइजेशन में मदद : खाना खाने के बाद पेट में गैस, ब्लॉटिंग, अपच जैसी समस्या परेशान करती है। ऐसे में खाने में धनिया और जीरा का कॉम्बिनेशन मिलाकर डालने पर ये खाने को आसानी से पचाने में मदद करते हैं जिससे इनडाइजेशन, ब्लॉटिंग और गैस की समस्या में भी राहत मिलती है।

मेटाबॉलिज्म बढ़ाता है धनिया जीरा का कॉम्बिनेशन : मेटाबॉलिज्म कमजोर होने से वजन तेजी से बढ़ता है और साथ ही इम्यून सिस्टम भी कमजोर होता है। इसलिए खाने में धनिया-जीरा के कॉम्बिनेशन को जरूर डालना चाहिए। ये वेट लॉस को भी बढ़ाने में मदद करता है।

सेटाइटी लेवल बढ़ता है : धनिया और जीरा को मिलाकर अगर खाया जाए तो ये भूख को कम करने में मदद करता है। जब आप इन दोनों के कॉम्बिनेशन को मिलाकर खाने में डालते हैं तो ऐसा खाना सेटाइटी लेवल को बढ़ाता है। जिससे खाने पर संतुष्टि मिलती है और ओवर ईटिंग से बच सकते हैं। जो वेट लॉस के लिए सबसे ज्यादा जरूरी है।

इंफेक्शन से बचाता है

जब भी धनिया और जीरा का कॉम्बिनेशन मिलाकर खाने में डाला जाता है तो ये एंटी इंफ्लेमेटरी और एंटी फंगल प्रॉपर्टीज होने की वजह से भी फायदा पहुंचाता है और किसी भी तरह के इंफेक्शन को होने से रोकता है।

एंटी इंफ्लेमेटरी डाइट

खाने में धनिया और जीरा को मिलाकर मसाले की तरह डालने से ये खाने को एंटी इंफ्लेमेटरी बना देता है। जिससे क्रॉनिक सूजन की वजह से होने वाली समस्या जैसे ब्लड शुगर बढ़ना और आर्थराइटिस से बचा जा सकता है।

कोलेजन के बढ़ने पर नजर आते हैं ये संकेत, न करें अनदेखी

कोलेजन एक तरह का प्रोटीन होता है, जो बहुत ज्यादा मात्रा में हमारी बॉडी में पाया जाता है। हमारे शरीर में जितना प्रोटीन होता है, उसका करीब 30 फीसदी कोलेजन होता है। कोलेजन हमारी स्किन, मसल्स, हड्डियों आदि के प्राइमरी बिल्डिंग ब्लॉक्स होते हैं। अगर हमारे शरीर में पर्याप्त मात्रा में कोलेजन न हो, तो कई तरह की परेशानियां हो सकती हैं, जैसे जोड़ों में दर्द, नाखूनों का टूटना, बालों का कमजोर होकर झड़ना आदि। कोलेजन कई प्रकार के होते है। शरीर में कई तरह के कोलेजन होते हैं, जो शरीर के अलग-अलग हिस्सों में पाया जाता है। शरीर में कोलेजन की कमी न हो, इसके लिए एनिमल प्रोडक्ट्स अच्छे विकल्प होते हैं। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि जिस तरह कोलेजन की मात्रा में कमी आ सकती है, उसी तरह कोलेजन की मात्रा बढ़ भी सकती है। कोलेजन की मात्रा बढ़ने से भी कई तरह शारीरिक समस्याओं का सामना करना पड़ता है, जैसे जोड़ों में दर्द और इंटरनल ऑर्गन का प्रभावित होना।

स्किन प्रॉब्लम

पर्याप्त मात्रा में कोलेजन होने पर स्किन शाइनिंग और ग्लोइंग होती है। वहीं, अगर स्किन शरीर में कोलेजन का स्तर बढ़ जाता है, तो स्किन पर इसके नेगेटिव असर पड़ता है। जैसे कोलेजन बढ़ने के कारण स्किन ज्यादा डार्क हो जाती है और स्किन कॉम्प्लेक्शन भी लाइटर हो जाता है। इसके शुरुआती संकेतों की बात करें, तो कोलेजन बढ़ने पर त्वचा में सूजन आ जाती है और खुजली होने लगती है।

जोड़ों में दर्द

जब शरीर में कोलेजन की मात्रा बढ़ जाती है, तो इसकी वजह से जोड़ों में दर्द होने लगता है, अकड़न आ जाती है। यहां तक कि कोलेजन की मात्रा बढ़ने पर हड्डियों में अकड़न होने लगती है। ऐसा खासकर, उंगलियों, पैरों और हाथों में हो सकता है। कई बार मरीज अपनी कंडीशन को समझ नहीं पाता है और इसे अर्थराइटिस या अन्य हड्डियों से जुड़ी समस्याओं से जोड़ने लगता है।

इंटरनल ऑर्गन पर असर

कोलेजन की मात्रा बढ़ने से इंटरनल ऑर्ग पर बुरा असर पड़ सकता है। खासकर, जब कोलेजन बढ़ता है, तो व्यक्ति को निगलने में दिक्कत आती है, सीने में जलन हो सकती है, सांस लेने में तकलीफ हो सकती है। यहां तक कि कोलेजन बढ़ने के कारण किडनी से संबंधित समस्या भी हो सकती है।

पाचन संबंधी परेशानी

जब कोलेजन प्रोडक्शन बढ़ जाता है, तो इस स्थिति में हार्ट बर्न, ब्लोटिंग जैसी दिक्कतें आती हैं। असल में, जब डाइजेस्टिव ट्रैक्ट और एसोफेगस में कोलेजन की मात्रा बढ़ती है, तब पाचन संबंधी समस्याएं ट्रिगर हो सकती हैं। हालांकि, ज्यादा पाचन समस्या को एक आम परेशानी मानकर इग्नोर कर देते हैं। जबकि ऐसा नहीं किया जाना चाहिए।

सांस लेने में तकलीफ

शायद आपको हैरानी हो कि कोलेजन एक्सेस में होने की वजह से व्यक्ति को सांस लेने में भी दिक्कत आ सकती है। सवाल है, ऐसा क्यों होता है? दरअसल, कोलेजन के ओवर प्रोडक्शन के कारण लंग में स्कार हो जाता है। इसकी वजह से खांसी, सांस लेने में तकलीफ हो सकती है। यहां तक कि अगर लंग अधिक प्रभावित हो जाए, तो सीने में जकड़न जैसा भी महसूस हो सकता है।

कोलेजन बढ़ने से क्या होता है?

कोलेजन बढ़ने से कई तरह की समस्याएं हो सकती हैं। कोलेजन स्किन सेल्स को अट्रैक्ट करता है, जिससे स्किन ग्लोइंग होती है। वहीं, कोलेजन के ओवर प्रोडक्शन की वजह से घाव को भरने में समय लगता है। यहां तक कि अगर कोलेजन बढ़ जाए, तो इसका बुरा असर ओवर ऑल बॉडी और इंटरनल ऑर्गन पर पड़ सकता है।

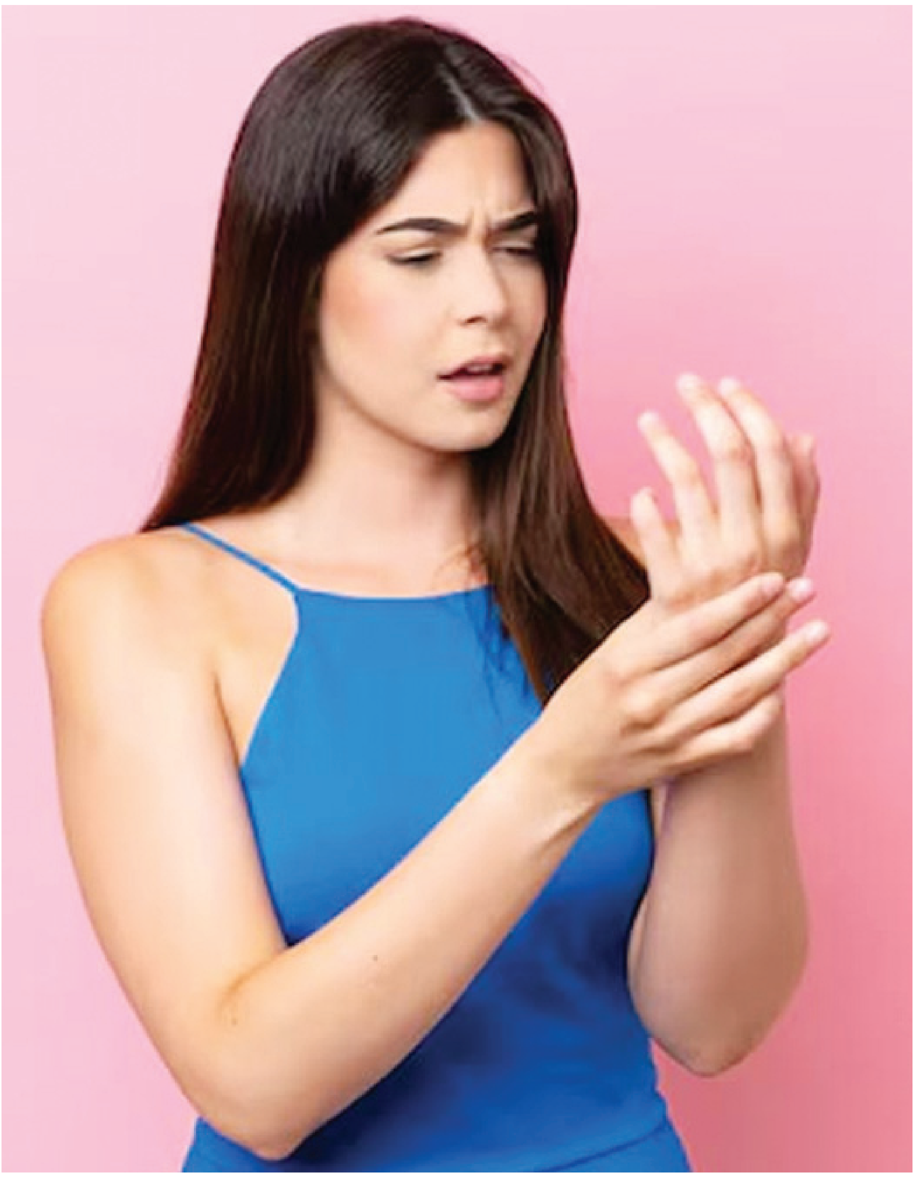

मुझे कैसे पता चलेगा कि मैं बहुत ज्यादा कोलेजन ले रहा हूं?

कोलेजन बढ़ने पर ब्लोटिंग, दस्त, एलर्जी जैसी समस्या हो सकती है। यहा तक कि लिवर और किडनी से जुडी प्रॉब्लम भी हो सकती है।

चेहरे में कोलेजन उत्पादन कैसे बढ़ाएं?

कोलेजन बूस्ट करने के लिए डाइट में बादाम, काजू, अखरोट जैसी चीजें शामिल करें। सभी नट्स में प्रोटीन, विटामिन और ओमेगा-3 फैटी एसिड जैसी हेल्दी चीजें होती हैं। इससे कोलेजन प्रोडक्शन बढ़ सकता है।

जेजेटी यूनिवर्सिटी के चार एनसीसी कैडेट्स का भारतीय सेना में चयन

हर्ष सोनी

झुंझुनू (नवयत्न)। जेजेटी यूनिवर्सिटी के लिए गर्व का विषय है कि विश्वविद्यालय के चार एनसीसी कैडेट्स का भारतीय सेना में चयन हुआ है। यह उपलब्धि न केवल विश्वविद्यालय बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए प्रेरणादायक है। यूनिवर्सिटी में एनसीसी की सब-यूनिट 2 राजस्थान बटालियन एनसीसीए चूरू के अंतर्गत संचालित होती है। एनसीसी कैडेट्स के इस उत्कृष्ट चयन पर बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल प्रदीप दहिया ने विश्वविद्यालय प्रशासन को बधाई संदेश प्रेषित किया। एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट डॉ. अरुण कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि अंडर ऑफिसर सरजीत सिंह का चयन भारतीय सेना की प्रतिष्ठित रजपुताना राइफल्स में हुआ है, जिनका प्रशिक्षण दिल्ली स्थित रजपुताना राइफल्स रेजिमेंटल सेंटर में होगा। अंडर ऑफिसर कौशिक कस्वा का चयन जाट रेजिमेंट में हुआ है, जिनका प्रशिक्षण जाट रेजिमेंटल सेंटर, बरेली में सुनिश्चित हुआ है। सार्जेंट रोहिताश सैनी का चयन गार्ड्स रेजिमेंट में हुआ है, जिनका प्रशिक्षण गार्ड्स रेजिमेंटल सेंटर, कामठी नागपुर में होगा। वहीं कार्पोरल रविन्द्र सिंह का चयन मेकनाइज्ड इन्फैंट्री में हुआ है, जिनका प्रशिक्षण अहमदनगर स्थित मेकनाइज्ड रेजिमेंटल सेंटर में संपन्न होगा। इस अवसर पर यूनिवर्सिटी की प्रेसिडेंट डॉ. मधु गुप्ता ने हर्ष व्यक्त करते हुए सभी चयनित कैडेट्स को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं और कहा कि यह उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा का स्त्रोत बनेगी। कार्यक्रम में रजिस्ट्रार डॉ. अजीत कुमार, एचआर हेड डॉ. महेश सिंह एवं ईएसएम कैप्टन जय सिंह सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

जिले में विभिन्न ग्राम पंचायतों में आयोजित होंगे ग्रामीण सेवा शिविर

निसं

चूरू (नवयत्न)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में आमजन तक जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक ग्राम पंचायत में ग्रामीण सेवा शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा के निर्देशन में जिले के सभी ब्लॉकों में निर्धारित शेड्यूल के अनुसार ग्राम पंचायतों में ग्रामीण सेवा शिविर आयोजित किए जाएंगे। सीईओ श्वेता कोचर ने बताया कि 15 जून को चूरू उपखंड की मोलीसर बड़ा, राजगढ़ उपखंड की काजंण व खुड्डी, रतनगढ़ उपखंड की कुसुमदेसर व मैणासर, सरदारशहर उपखंड की कंवलासर व बायला, तारानगर उपखंड की भालेरी व कोहिणा, बीदासर उपखंड की ढाणी स्वामियान व सडू छोटी तथा सुजानगढ़ उपखंड की बोबासर बीदावतान ग्राम पंचायत में ग्रामीण सेवा शिविर आयोजित किए जाएंगे। इसी प्रकार 16 जून को चूरू उपखंड की ढ़ाढरिया बणीरोतान, राजगढ़ उपखंड की गुगलवा व थिरपाली बड़ी, रतनगढ़ उपखंड की कनवारी व पडिहारा, सरदारशहर उपखंड की रामसीसर भेड़वालिया व मालकसर, तारानगर उपखंड की गाजुवास व पूनरास, बीदासर उपखंड की गिरवरसर तथा सुजानगढ़ उपखंड की गोपालपुरा व चरला ग्राम पंचायत, 17 जून को चूरू उपखंड की नाकरासर, राजगढ़ उपखंड की गुलपुरा व सांखू, रतनगढ़ उपखंड की सीतसर व भूखरेडी ग्राम पंचायत, 18 जून को चूरू उपखंड की सातड़ा व बीनासर, राजगढ़ उपखंड की नौरंगपुरा व सेडवा, रतनगढ़ उपखंड की बुधवाली व लोहा, सरदारशहर उपखंड की राजासर बीकान व मालसर, तारानगर उपखंड की बांय व झोथड़ा, बीदासर उपखंड की ढाणी कालेरान तथा सुजानगढ़ उपखंड की जीली व सारोठिया ग्राम पंचायत में ग्रामीण सेवा शिविर आयोजित किए जाएंगे। इसी प्रकार 19 जून को चूरू उपखंड की रायपुरिया व खासोली, राजगढ़ उपखंड की राधा बड़ी व रावतसर कुंजला, रतनगढ़ उपखंड की हामूसर व मेलूसर, सरदारशहर उपखंड की नैणासर सुमेरिया व भोजरासर, तारानगर उपखंड की सोमसीसर व सारायण, बीदासर उपखंड की ढढेरू भामूवान व जोगलसर तथा सुजानगढ़ उपखंड की गेडाप ग्राम पंचायत में ग्रामीण सेवा शिविर आयोजित किए जाएंगे।

भामाशाह अवार्ड से सम्मानित होंगे गोयल

निसं

तारानगर (नवयत्न)। भामाशाह ताराचंद गोयल को 29 जून को बिरला ऑडिटोरियम जयपुर में राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा भामाशाह अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। तारानगर सीबीईओ बबलेश शर्मा ने बताया कि वर्तमान में बैंगलोर प्रवासी भामाशाह गोयल ने अपने जन्मस्थान तारानगर के विकास के लिए शिक्षा, धर्म, गौसेवा एवं जनकल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। उनके सहयोग से कॉलेज, विद्यालय, मोक्ष भूमि, गौशाला, मंदिर तथा अन्य जनहित के कार्यों सहित करोड़ रुपये के विकास प्रोजेक्ट पूर्ण हो चुके हैं। इसके अतिरिक्त कई महत्वपूर्ण परियोजनाएँ वर्तमान में प्रस्तावित एवं प्रगतिरत हैं। सीबीईओ शर्मा ने भामाशाह गोयल को इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि उनकी सेवा, समर्पण और समाज के प्रति प्रतिबद्धता हम सभी के लिए प्रेरणास्त्रोत है। यह सम्मान न केवल भामाशाह गोयल का बल्कि पूरे तारानगर, राजस्थान एवं प्रवासी राजस्थानी समाज का गौरव है।

आबकारी प्रहराधिकारी के साथ बदश्लूकी का विडियो वायरल

निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। आबकारी थाने के प्रहराधिकारी राजेश कुमार के साथ तहसील के नब्बासर गांव में कथित बदश्लूकी का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। जिसके बाद लोग आरोपियों पर कानूनी कार्यवाही की मांग सोशल मीडिया पर करने लगे। दूसरी ओर इस बारे में आबकारी प्रहराधिकारी राजेश कुमार ने बताया कि मामले को लेकर कोई मुकदमा दर्ज नहीं करवाया गया है। हमारी ओर से विभाग के उच्च अधिकारी मामले को देख रहे हैं और जांच चल रही है। वीडियो में कुछ लोग प्रहराधिकारी को विडियो बनाने से रोकने का प्रयास करते हुए नजर आ रहे हैं।

रिहायशी क्षेत्र में जमीन धंसी

30 फीट चौड़ा और 40 फीट गहरा गड्ढा बना

निसं

नोखा (नवयत्न)। नोखा कस्बे में शनिवार को एक रिहायशी क्षेत्र में अचानक जमीन धंस गई। रोड़ा रोड स्थित काना महाराज की खेड़ी के पास हुई इस घटना से करीब 30 फीट चौड़ा और 40 फीट गहरा गड्ढा बन गया।

घटनास्थल पर बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए। स्थानीय लोगों के अनुसार, जमीन धंसने से आसपास के कुछ रिहायशी मकान भी अब खतरे में आ गए हैं। समचार लिखें जाने तक कोई प्रशासनिक अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा। क्षेत्रवासियों को आशंका है कि यदि समय रहते सुरक्षा उपाय नहीं किए गए, तो आसपास की जमीन भी धंस सकती है, जिससे बड़ा हादसा हो सकता है। लोगों ने भू-वैज्ञानिक जांच कराकर क्षेत्र की वास्तविक स्थिति स्पष्ट करने की मांग की है। जिस क्षेत्र में जमीन धंसी हैए वहां प्रशासन द्वारा पूर्व में आवासीय पट्टे जारी किए गए थे।

एक साल पहले भी हुई थी ऐसी घटना

स्थानीय लोगों ने बताया-यह पहली घटना नहीं है। लगभग एक वर्ष पहले भी इसी क्षेत्र में जमीन धंसने से दो मकान जमींदोज हो गए थे। उस समय तत्कालीन जिला कलक्टर नम्रता वृष्णि ने मौके का निरीक्षण किया था।

मानव सेवा की मिसाल गुलामे मुस्तफ़ा यूथ आइकन

नि:शुल्क पानी के टैंकरों से की जा रही सेवा

अबूबकर बल्खी

लाडनूं (नवयत्न)। भीषण गर्मी और पानी की बढ़ती समस्या के बीच गुलामे मुस्तफा यूथ आइकन, लाडनूँ की ओर से पिछले कई हफ़्तों से लगातार नि:शुल्क पानी के टैंकरों के माध्यम से जरूरतमंद क्षेत्रों तक पेयजल पहुँचाकर राहत प्रदान की जा रही है। संस्था के सदस्य बिना किसी भेदभाव के इंसानियत जज़्बे के साथ समाजसेवा में जुटे हुए हैं। संस्था द्वारा समय-समय पर नि:शुल्क मेडिकल कैम्प, ब्लड डोनेशन कैम्प, नेत्र जांच एवं नेत्र चिकित्सा शिविर, नि:शुल्क चश्मा वितरण, स्कूल बैग वितरण, तिरपाल वितरण, कम्बल वितरण, जरूरतमंदों को कपड़े वितरण तथा अस्पतालों में मरीजों एवं उनके परिजनों के बीच फल वितरण सहित अनेक जनकल्याणकारी कार्य किए गए हैं। इस पुनीत कार्य में रोशन खान दायमखानी, अज़ीज़ खान बिजावत, नसीर खान खानजादा, रणजीत खान दौलतखानी, सैय्यद अच्छू, असलम कोहिनूर, फारुख़ शेख़, इरशाद अहमद सहित अनेक सदस्य सक्रिय रूप से अपनी सेवाएं दे रहे हैं। क्षेत्रवासियों ने संस्था के प्रयासों की सराहना करते आपसी एकजुटता, भाईचारे और मानव सेवा को प्रेरणादायक बताया।

आईएमए की पासिंग आउट परेड में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु शामिल

एनडीए की पहली महिला बैच बनी सेना अधिकारी

नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शनिवार को देहरादून स्थित भारतीय सैन्य अकादमी में 158वें रेगुलर कोर्स और 141वें टेक्निकल ग्रेजुएट कोर्स की पासिंग आउट परेड का निरीक्षण किया। यह अवसर भारतीय सेना और देश की महिलाओं के लिए ऐतिहासिक माना जा रहा है, क्योंकि राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) के पहले महिला बैच की कैडेट्स अधिकारी के रूप में पासआउट हुई हैं।

एनडीए की पहली महिला बैच ने रचा इतिहास

आईएमए की पासिंग आउट परेड में एनडीए की पहली महिला बैच की 9 महिला कैडेट भारतीय थलसेना में अधिकारी के रूप में शामिल हुईं। यह उपलब्धि भारतीय सशस्त्र बलों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी और सशक्तिकरण का महत्वपूर्ण प्रतीक है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद खुला था रास्ता

इससे पहले एनडीए में महिलाओं के प्रवेश की अनुमति नहीं थी। जून 2022 में सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले के बाद महिलाओं के लिए एनडीए के द्वार खुले थे। इस निर्णय ने सशस्त्र बलों में महिलाओं की भूमिका को नई दिशा प्रदान की और आज उसका ऐतिहासिक परिणाम देखने को मिला।

आईएमए से 515 कैडेट हुए पासआउट

इस वर्ष आईएमए से कुल 515 कैडेट पासआउट हुए, जिनमें 16 देशों के 34 विदेशी कैडेट भी शामिल हैं। पासआउट होने वाले कैडेट्स में एनडीए की पहली महिला बैच की 9 कैडेट भी शामिल रहीं, जिन्होंने कठिन प्रशिक्षण पूरा कर भारतीय सेना में अधिकारी के रूप में कदम रखा।

वायुसेना में भी शामिल हुईं पहली महिला एनडीए कैडेट्स-भारतीय वायुसेना अकादमी में आयोजित कंबाइंड ग्रेजुएशन परेड के दौरान भारतीय वायुसेना के 217वें कोर्स के तहत 231 फ्लाइट कैडेट्स ने प्री-कमीशनिंग प्रशिक्षण पूरा किया। इनमें 194 पुरुष और 37 महिला कैडेट शामिल थीं। इन 37 महिला कैडेट्स में से 5 एनडीए की पहली महिला बैच की थीं, जिन्हें भारतीय वायुसेना में कमीशन प्राप्त हुआ।

राजनाथ सिंह रहे वायुसेना अकादमी समारोह में मौजूद

राष्ट्रपति मुर्मु ने आईएमए की परेड की समीक्षा की, जबकि राजनाथ सिंह डुंडीगल स्थित वायुसेना अकादमी में आयोजित समारोह में उपस्थित रहे। दोनों कार्यक्रमों ने सशस्त्र बलों में महिलाओं की बढ़ती भूमिका और योगदान को नई पहचान दी।

सुखोई, सारंग और सूर्यकिरण टीम ने किया रोमांचक प्रदर्शन

कंबाइंड ग्रेजुएशन परेड का समापन भव्य एयर शो के साथ हुआ। भारतीय वायुसेना के सुखोई लड़ाकू विमान, सारंग हेलीकॉप्टर डिस्प्ले टीम और सूर्यकिरण एरोबेटिक टीम के शानदार प्रदर्शन समारोह के प्रमुख आकर्षण रहे।

मोदी फ्रांस-स्लोवाकिया की 6 दिन की यात्रा पर रवाना

जी7 समिट में सबसे ज्यादा 7वीं बार शामिल होने वाले पहले भारतीय पीएम होंगे; ट्रम्प से मुलाकात संभव

नई दिल्ली/पेरिस/ब्रातिस्लावा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार सुबह फ्रांस और स्लोवाकिया की 6 दिनों की यात्रा पर रवाना हो गए। उनकी यह यात्रा 13 से 18 जून तक चलेगी। पीएम बनने के बाद मोदी की यह 7वीं फ्रांस यात्रा है। वे 13-14 जून को फ्रांस के नीस शहर में राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे।

साथ ही 'इंडिया इनोवेट्स' कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे। पीएम 14 जून को स्लोवाकिया रवाना हो जाएंगे। यहां 15 जून तक रुकेंगे। इस दौरान प्रधानमंत्री रोबर्ट फिको और राष्ट्रपति पीटर पेलेग्रीनी से मुलाकात करेंगे। 1993 में स्लोवाकिया के आजाद देश बनने के बाद किसी भारतीय पीएम का यह पहला दौरा है।

मोदी 16 जून को वापस फ्रांस लौटेंगे। फिर 17 जून को एवियन शहर में जी7 समिट में हिस्सा लेंगे। समिट में वैश्विक अर्थव्यवस्था, अंतरराष्ट्रीय सहयोग, नई साझेदारियों और एआई के मुद्दे पर चर्चा होगी। पीएम मोदी जी7 समिट में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प सहित कई वर्ल्ड लीडर्स से मुलाकात कर सकते हैं।

जी7 क्या है, इसमें कौन-कौन से देश हैं?

जी7 यानी 'ग्रुप ऑफ सेवन', दुनिया के उन 7 देशों का समूह है, जिन्हें दुनिया की मॉडर्न इकोनॉमी वाला देश कहा जाता है। इनमें अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन, जापान, इटली, कनाडा और जर्मनी शामिल हैं।

इसकी शुरुआत 1975 में त्6 के रूप में हुई थी। 1976 में कनाडा के जुड़ने के बाद यह जी7 बन गया। 1998 में रूस को शामिल कर इसका नाम त्8 कर दिया गया, लेकिन 2014 में यूक्रेन के क्रीमिया क्षेत्र पर रूस के कब्जे के बाद उसे समूह से बाहर कर दिया गया। इसके बाद यह फिर से जी7 कहलाने लगा।

भारत जी7 का सदस्य नहीं है, लेकिन दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्था और महत्वपूर्ण वैश्विक भूमिका के कारण उसे अक्सर विशेष आमंत्रित देश के रूप में बुलाया जाता है। आमतौर पर भारत के प्रधानमंत्री को समिट का न्यौता मिलता है। 2004 से 2014 तक पीएम रहे मनमोहन सिंह ने पांच बार त्-8 समिट में हिस्सा लिया था। पीएम मोदी को पहली बार 2019 में फ्रांस के बियारिट्ज में हुई समिट में बुलाया गया था। इसके बाद 2020 में अमेरिका को मेजबानी करनी थी, लेकिन अमेरिका ने तब समिट रद्द कर दी। इस एक साल को छोड़ दें तो 2019 से 2024 तक हर साल पीएम मोदी जी7 समिट में शामिल हुए। 2021 में वे वर्चुअल मीडियम से इसमें शामिल हुए। 2022 में जर्मनी, 2023 में जापान और 2024 में इटली में हुई जी7 समिट में शामिल हुए। 2025 में कनाडा में हुई समिट में शामिल हुए।

राजस्थानी फिल्म थांको ब्याव होगो के का जयपुर में प्रीमियर शो आज

प्रदीप सैनी

दांतारामगढ़ (नवयत्न)। गुलाबी नगरी फिल्मस के बैनर तले निर्मित राजस्थानी फिल्म थांको ब्याव होगो के को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड द्वारा सेंसर प्रमाण-पत्र जारी करने के साथ ही फिल्म प्रदर्शन के लिए पूरी तरह तैयार हो गई है। फिल्म का प्रीमियर शो रविवार को जयपुर के विद्याधर नगर स्थित फन स्टार सिनेमा में प्रात: 8:50 बजे आयोजित किया जाएगा। सुरेश नेमीवाल ने बताया कि फिल्म के निर्माता राधेश्याम हैं। इसमें क्षितिज कुमार, नम्रता राठौड़, मुस्कान, विजया राजस्थानी, विजय लक्ष्मी, नागेंद्र सिंह, शंकर पुरोहित, विनोद सोनी, हुकुम सिंह और गिरवर सिंह ने प्रमुख भूमिकाएं निभाई हैं। प्रदीप कुमार सैनी ने बताया कि फिल्म के गीत एवं संगीत का दायित्व भी राधेश्याम ने संभाला हैं। फिल्म की सिनेमैटोग्राफी बलबीर गोस्वामी ने की है जबकि संपादन का कार्य गोकुल ने किया है। रमेश प्रजापत ने बताया कि फिल्म की शूटिंग जयपुर, दांता, रेनवाल, रामगढ़ और मंडा भीमसिंह सहित विभिन्न स्थानों पर की गई है। प्रमोद कुमार शर्मा ने बताया कि फिल्म के मुख्य कलाकार क्षितिज कुमार इससे पहले सुपातर बीनणी, राधू की लिछमी, बावळियो पंडित और मां पगड़ी जैसी चर्चित राजस्थानी फिल्मों में अपने अभिनय से दर्शकों का दिल जीत चुके हैं। क्षितिज कुमार ने बताया कि थांको ब्याव होगो के एक पारिवारिक एवं मनोरंजक फिल्म है, जिसमें नारी सशक्तिकरण का संदेश देने के साथ-साथ सामाजिक विसंगतियों पर भी प्रहार किया गया है। फिल्म में राजस्थानी संस्कृति, परंपराओं और लोकजीवन की महक को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया है। लिखासिंह सैनी ने कहा कि दर्शकों ने क्षितिज कुमार के पूर्व कार्यों को हमेशा सराहा है और उन्हें विश्वास है कि यह फिल्म भी दर्शकों को पसंद आएगी। हल्के-फुल्के हास्य और सामाजिक संदेश से भरपूर यह फिल्म निश्चित रूप से दर्शकों के चेहरे पर मुस्कान बिखेरने का काम करेगी।

किसान चंद्रमोहन जांगिड़ पर्यावरण प्रहरी पुरस्कार से सम्मानित

निसं

कांवट (नवयत्न)। भादवाड़ी के किसान चंद्रमोहन जांगिड़ ने जैविक खेती में नवाचार कर उत्कृष्ट कार्य करने पर केसर देवी गोदारा सामाजिक कल्याण संस्थान सिंगनोर द्वारा पर्यावरण प्रहरी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। जांगिड़ ने अपने खेत में जैविक खेती कर इलाके में पर्यावरण को बचाने खेती में सुधार लाने का संदेश दिया है। केसर देवी गोदारा सामाजिक कल्याण संस्थान के अध्यक्ष डा हरिसिंह गोदारा की धर्मपत्नी मुगेंश्वरीदेवी की स्मृति एमजी ग्लोबल स्कूल गुढागौड़जी में आयोजित पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम में चंद्र मोहन जांगिड़ को यह सम्मान दिया गया। डॉ हरिसिंह गोदारा ने कहा कि जल, जंगल व जमीन तीनों एक ही सांस की कड़ियाँ हैं। जन बचेगा तभी जब जल मिलेगा और जल बचेगा तभी जब जंगल रहेगा। जंगल काट दिए तो जल सूख जाएगा, जल सूखा तो जन पलायन कर जाएगा। इसे बचाना विकास नहीं, जीने की शर्त है। कार्यक्रम में सेवानिवृत्त रक्षा वैज्ञानिक सीताराम सैनी, जल विशेषज्ञ निरजंन जानू मंचस्थ अतिथि के रूप विचार प्रकट किये। इलाके में चंद्र मोहन जांगिड़ द्वारा जैविक खेती कर अच्छा संदेश दिया। जिस पर अनेक लोगों ने उन्हें शुभकामनाएं देकर बधाई दी। जांगिड़ ने भी किसानों को जैविक खेती के लिए प्रोत्साहन कर प्रेरित किया।

जागरूकता कार्यक्रम में दी लोगों को विभिन्न जानकारी

निसं

तारानगर (नवयत्न)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण चूरू के निर्देशानुसार तालुका विधिक सेवा समिति तारानगर के निर्देशानुसार आज जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पीएलवी श्वेता भाकर द्वारा स्थानीय लोगों का संवेदनशील मुद्दे जैसे बाल विवाह कार्य योजना के अनुसार विशेष दिन बच्चों की शिक्षा, और जरूरत के अनुसार अन्य अभियान के बारे में लोगों को जागरूक किया। तारानगर के क्षेत्र में पीड़ित प्रतिकर स्कीम एबाल विवाह निषेध अभियान, लोक अदालत का प्रचार प्रसार स्कीम, हेल्पलाइन नंबर आदि के संबंध में प्रचार किया।

बेसहारा और नादान मनुष्य को भोजन देना ईश्वर को भोग लगाने जैसा है

निसं

नोखा (नवयत्न)। बेसहारा और नादान मनुष्य को भोजन देना ईश्वर को भोग लगाने जैसा है। ये विचार महावीर इंटरनेशनल के अंतरराष्ट्रीय उपाध्यक्ष वीर राजेन्द्रसिंह राठौड़ ने अपना घर आश्रम में भोजन वितरण के अवसर पर व्यक्त किये। केंद्र चेयरमैन वीर सुरेन्द्रकुमार हीरावत ने बताया कि महावीर इंटरनेशनल की प्रेरणा से सुधादेवी-रतनलाल बरडिया परिवार की ओर से कल रात्रि आश्रम के सभी 600 प्रभुजी को भोजन करवाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महावीर इंटरनेशनल प्रार्थना से किया गया। इस अवसर पर वीर ईश्वरचंद दूगड़, रामेश्वरलाल छींपा, अनिल जैन, भंवरलाल पींचा, भंवरलाल बुच्चा, प्रकाश मंत्री, भंवरलाल छींपा, विकास छींपा, मनीष विश्नोई, नीलमदेवी लालाणी, डिम्पल जैन सहित आश्रम के कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यालय प्रमुख विकास तावणिया ने बरडिया परिवार व महावीर इंटरनेशनल का आभार प्रकट किया।

अग्निकांड के बाद पुलिस सख्त

अवैध पटाखा गोदामों के खिलाफ अभियान शुरू

निसं

जयपुर (नवयत्न)। खोह नागोरियान थाना क्षेत्र में अवैध पटाखा गोदाम में हुए भीषण अग्निकांड के बाद जयपुर पुलिस ने अवैध पटाखा गोदामों और फैक्ट्रियों के खिलाफ व्यापक अभियान शुरू कर दिया है। पुलिस उपायुक्त उत्तर करण शर्मा के निर्देशन में जयपुर उत्तर जिले के सभी थाना प्रभारियों और बीट कांस्टेबलों को अपने-अपने क्षेत्रों में अवैध पटाखा गोदामों की पहचान कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। ऐसे मामलों में मुकदमे दर्ज कर कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी। डीसीपी करण शर्मा ने बताया कि परकोटा क्षेत्र सहित पूरे उत्तर जिले में अवैध पटाखा भंडारण और निर्माण इकाइयों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत पुलिस टीमें डोर-टू-डोर सर्वे कर रही हैं और अवैध गोदामों तथा पटाखा फैक्ट्रियों की जानकारी जुटा रही हैं। गौरतलब है कि खोह नागोरियान क्षेत्र में अवैध पटाखा गोदाम में आग लगने से आठ लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी। जांच में सामने आया कि फिरोज ने संबंधित मकान बारूद के कारोबार के लिए ले रखा था जबकि वसीम दो अवैध पटाखा फैक्ट्रियां संचालित कर रहा था। इन फैक्ट्रियों से हजारों किलो बारूद बरामद किया गया है। इसके अलावा दाउदनगर क्षेत्र में संचालित दूसरी फैक्ट्री का संचालन अकील द्वारा किए जाने की जानकारी मिली है। पुलिस ने अब तक दो अवैध फैक्ट्रियों पर छापेमारी की है। साथ ही करीब 200 मकानों का सर्वे कर 20 संदिग्ध गोदामों को चिन्हित किया गया है, जिन्हें नोटिस जारी किए गए हैं। एक बड़े गोदाम को सील कर वहां से भारी मात्रा में बारूद भी बरामद किया गया है। जांच के दौरान मुख्य आरोपी कयूम का आपराधिक रिकॉर्ड भी सामने आया है। उसके खिलाफ पहले से करीब आधा दर्जन आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस फरार आरोपियों याकूब और कयूम की तलाश में लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।

जुआ खेलते चार गिरफ्तार

निसं

जयपुर (नवयत्न)। खोराबीसल थाना पुलिस ने जुआरियों के खिलाफबड़ी कार्रवाई करते हुए एक मकान में पैसे का दांव लगाकर ताश खेल रहे चार लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 41 हजार रुपये की जुआ राशि और 52 ताश के पत्ते बरामद किए हैं। पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम प्रशांत किरण ने बताया कि खोराबीसल थाना पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि किशनपुरा खाल्डा स्थित राधे नगर प्रथम के एक मकान में कुछ लोग जुआ खेल रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर दबिश दीए जहां चार व्यक्ति पैसे का दांव लगाकर ताश खेलते हुए पाए गए। पुलिस ने राजवीर प्रजापति 31 निवासी भिंड, मध्य प्रदेश हाल निवासी निवारू जयपुर, राजू बंजारा 27 निवासी निवारू कच्ची बस्ती जयपुर, मुकेश वर्मा 37 निवासी किशनपुरा खाल्डा जयपुर और राजेंद्र वर्मा 24 निवासी गणेश वाटिका जयपुर को गिरफ्तार किया है और साथ ही पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 41 हजार रुपये नकद तथा 52 ताश के पत्ते बरामद किए हैं। आरोपियों के खिलाफराजस्थान पब्लिक गैंबलिंग ऑर्डिनेंस आरपीजीओ के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। इस कार्रवाई में उप निरीक्षक अभिषेक स्वामी, कांस्टेबल रामसिंह, शीशराम, सुरेश, प्रेमचंद, गुरुदयाल, विकास, चालक कांस्टेबल मुकेश, सुनील तथा महिला कांस्टेबल सरिता शामिल रहे। पुलिस अधिकारियों के अनुसार इस कार्रवाई में कांस्टेबल शीशराम और रामसिंह की विशेष भूमिका रही, जिनकी सतर्कता और सूचना संकलन के आधार पर जुआरियों को रंगे हाथों गिरफ्तार करने में सफलता मिली।

चार साल की मासूम की हत्या

पड़ोसन के घर डबल बेड में मिला शव

निसं

जयपुर (नवयत्न)। हरमाड़ा थाना क्षेत्र में शनिवार को चार वर्षीय मासूम बच्ची की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया। घर के बाहर खेलते-खेलते लापता हुई बच्ची का शव पड़ोस में रहने वाली महिला के घर से बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी महिला और उसके पति को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त पश्चिम राजेश कुमार गुप्ता के अनुसार हरमाडा थाना इलाके के बैनाड़ रोड स्थित श्याम वाटिका निवासी चार वर्षीय आलीना शनिवार दोपहर करीब 12 बजे घर के बाहर खेल रही थी। इसी दौरान वह अचानक लापता हो गई। परिजनों ने आसपास काफी तलाश की लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद मामले की सूचना पुलिस कंट्रोल रूम को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। जांच के दौरान मिले अहम सुराग के आधार पर पुलिस का शक पड़ोस में रहने वाली एक महिला पर गया। जब पुलिस ने उसके घर की तलाशी ली तो डबल बेड के बॉक्स के अंदर कंबल में लिपटा हुआ बच्ची का शव बरामद हुआ। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि बच्ची की मौत दम घुटने से हुई है। शव मिलने के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल बन गया। सूचना पर अन्य पुलिस के आलाधिकारी भी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। साथ ही कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए क्षेत्र में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया। पुलिस की प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि मृतक बच्ची के परिजनों और आरोपी महिला के बीच पिछले कुछ समय से विवाद चल रहा था। दोनों पक्षों के बीच अक्सर कहासुनी और झगड़े होते रहते थे। पुलिस को आशंका है कि इसी आपसी रंजिश के चलते वारदात को अंजाम दिया गया, हालांकि हत्या के अन्य संभावित कारणों की भी जांच की जा रही है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए कांवटिया अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। वहीं आरोपी महिला और उसके पति से पूछताछ जारी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद मामले का विस्तृत खुलासा किया जाएगा।

चोरों का आतंक, दर्जनों किसानों के लाखों की किमत के नोजल चोरी

निसं

कांवट (नवयत्न)। क्षेत्र के लोहरवाड़ा से शुक्रवार रात अज्ञात चोरों ने दर्जनों किसानों के खेतों को निशाना बनाते हुए एक ही रात में सैकड़ों नोजल चोरी कर ले गए। नोजल लाखों की कीमत के बताए जा रहे हैं। चोरी की वारदात के बाद इलाके के किसानों में रोष है। घटना के बाद थोई थाना पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाए जा रहे हैं। थोई पुलिस शहर सहित इलाके में हुई दर्जनों चोरी व लूटपाट करने की घटनाओं का समय रहते खुलासा नहीं कर पाए हैं। लोहरवाड़ा से दर्जनों किसानो ने पुलिस थाना थोई पंहुच आक्रोश व्यक्त करते हुए चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई है तथा चोरी के खुलासा करने की मांग की।

एआई से होगी चालान डिफॉल्टरों की पहचान लॉन्च हुआ स्मार्ट ट्रैफिक प्रवर्तन सिस्टम

निसं

जयपुर (नवयत्न)। सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों की प्रभावी पालना सुनिश्चित करने की दिशा में जयपुर ट्रैफिक पुलिस और ऑटोटेक कंपनी कार्स 24 ने संयुक्त रूप से एआई आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित व्हीकल अलर्ट एनफोर्समेंट सिस्टम लॉन्च किया है। यह अत्याधुनिक प्रणाली रियल-टाइम इंटेलिजेंस और डेटा आधारित कार्रवाई के माध्यम से चालान डिफॉल्टरों तथा हाई-रिस्क वाहनों की पहचान कर पुलिस को त्वरित कार्रवाई में मदद करेगी। कार्स 24 की सड़क सुरक्षा पहल क्रैश फ्री इंडिया के तहत शुरू की गई यह परियोजना जयपुर के व्यस्ततम यातायात चौराहों में से एक रामबाग सर्किल पर स्थापित की गई है। सिस्टम में ऑटोमेटिक नंबर प्लेट रिकॉग्निशन तकनीक का उपयोग किया गया है, जो वाहनों की नंबर प्लेट स्कैन कर उन्हें चालान रिकॉर्ड और प्रवर्तन डेटाबेस से मिलान करती है। इसके बाद संबंधित अधिकारियों को लंबित चालान और अन्य प्रवर्तन श्रेणियों वाले वाहनों की रियल-टाइम जानकारी प्राप्त होती है। प्रारंभिक परीक्षण और वैलिडेशन के दौरान इस प्रणाली ने 1,241 वाहनों की पहचान कीए जो निर्धारित प्रवर्तन मानकों के दायरे में आए। इनमें एक चोरी का वाहन भी शामिल था। इसके अलावा कई ऐसे वाहन भी मिले जिन पर भारी संख्या में चालान लंबित थे। दो वाहनों पर क्रमशः 57 चालानों के साथ 1,59 लाख रुपए तथा 32 चालानों के साथ 1,19 लाख रुपए की बकाया राशि पाई गई। सिस्टम को ऐसे वाहनों की पहचान के लिए कॉन्फिगर किया गया हैए जिन पर 20 हजार रुपए से अधिक का लंबित चालान हो या 15 से अधिक चालान लंबित हों। इन मानकों के तहत संचालन के पहले ही दिन प्लेटफॉर्म ने 337 वाहनों को चिन्हित किया, जिनमें से 26 वाहनों को जयपुर ट्रैफिक पुलिस ने रोककर कार्रवाई की। इनमें से चार वाहन चालकों ने मौके पर ही अपने लंबित चालानों का भुगतान भी कर दिया। इस पहल को यातायात प्रवर्तन में तकनीक के उपयोग की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। यह प्रणाली पुलिस को केवल निगरानी तक सीमित रखने के बजाय सक्रिय प्रवर्तन करने में सक्षम बनाएगी तथा बार-बार नियम तोड़ने वाले वाहन चालकों की शीघ्र पहचान कर कार्रवाई सुनिश्चित करेगी। कार्स 24 के संस्थापक एवं ग्रुप सीईओ विक्रम चोपड़ा ने कहा कि सड़क सुरक्षा एक साझा जिम्मेदारी है और तकनीक प्रवर्तन को अधिक प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। उन्होंने कहा कि क्रैश फ्री इंडिया के माध्यम से कार्स 24 विभिन्न प्रवर्तन एजेंसियों के साथ मिलकर ऐसे समाधान विकसित कर रहा है, जो जवाबदेही बढ़ाने के साथ सुरक्षित ड्राइविंग व्यवहार को प्रोत्साहित करें। उन्होंने कहा कि जयपुर में इस प्रणाली की तैनाती यह दर्शाती है कि रियल-टाइम इंटेलिजेंस के माध्यम से पुलिस तेजी से कार्रवाई कर सकती है, बार-बार नियम तोड़ने वालों की पहचान कर सकती है और सड़क सुरक्षा को मजबूत बना सकती है।

चोपड़ा ने बताया कि जयपुर में शुरू की गई यह पहल सड़क सुरक्षा को तकनीक, जनजागरूकता और रणनीतिक साझेदारियों के माध्यम से बेहतर बनाने की उसकी व्यापक योजना का हिस्सा है। कंपनी देशभर में ट्रैफिक पुलिस, सरकारी एजेंसियों और नागरिक संगठनों के साथ मिलकर सुरक्षित सड़कों और जिम्मेदार ड्राइविंग को बढ़ावा देने के लिए कार्य कर रही है।

सरकारी अस्पताल में घुटने, बवासीर एवं बच्चेदानी के ऑपरेशन हुए

श्रीमाधोपुर (नवयत्न)। सीएचसी श्रीमाधोपुर में बच्चेदानी, बवासीर और घुटने के ऑपरेशन किए गए। सीएचसी प्रभारी एवं स्त्री प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ कमल यादव ने बताया कि अत्यधिक माहवारी एवं गांठ से पीड़ित मरीज की बच्चेदानी का ऑपरेशन ऑपन तकनीक से सीनियर सर्जन डॉ शंकर लाल जाट एवं ऐनिस्थेटिक डॉ ओमप्रकाश सामोता की टीम द्वारा किया गया। गंभीर बवासीर से पीड़ित मरीज का ऑपरेशन आधुनिक दर्द रहित स्टेपलर तकनीक द्वारा डॉ शंकर लाल जाट एवं एनेस्थीसिया विशेषज्ञ डॉ ओमप्रकाश सामोता द्वारा किया गया। इसके साथ ही घुटने की हड्डी के फ्रैक्चर से पीड़ित मरीज के घुटने का ऑपरेशन हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ अशोक कुमार यादव एवं डॉ ओम प्रकाश सामोता द्वारा किया गया। सभी ऑपरेशन माँ योजना के अंतर्गत निःशुल्क किए गए। ऑपरेशन में केदार मल सैनी का भी सहयोग रहा ।

तेज रफ्तार और नियम तोड़ने वालों पर यातायात पुलिस की सख्ती

जयपुर (नवयत्न)। जयपुर पुलिस ने शहर में सुगम एवं सुरक्षित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए विशेष अभियान चलाते हुए तेज रफ्तार और बार.बार यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। इस अभियान के तहत अब तक 63 वाहनों को जब्त किया जा चुका है। पुलिस उपायुक्त यातायात योगेश गोयल ने बताया कि पुलिस कमिश्नर जयपुर सचिन मित्तल के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत यातायात पुलिस ने शहर में लगे स्पीड कैमरों की मदद से ऐसे वाहनों को चिन्हित किया जो निर्धारित गति सीमा से अधिकए विशेष रूप से 100 किलोमीटर प्रति घंटा से ज्यादा की रफ्तार से वाहन चला रहे थे। जिस पर तीन कारों को जब्त किया गया है। इनमें एक कार 112 किलोमीटर प्रति घंटा, दूसरी 102 किलोमीटर प्रति घंटा तथा तीसरी 105 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से चलती पाई गई। इन वाहनों के खिलाफ पूर्व में भी कई बार यातायात नियम उल्लंघन के चालान दर्ज हो चुके थे। इसके अलावा 20 से अधिक लंबित चालान वाले वाहनों पर भी कार्रवाई करते हुए डंपरए बस, ट्रक, ऑटो और ई-रिक्शा समेत कई वाहनों को जब्त किया गया। इनमें कुछ वाहनों पर 25 से लेकर 83 बार तक यातायात नियम उल्लंघन के मामले दर्ज मिले। अभियान के दौरान अब तक 262 लंबित चालानों का निस्तारण भी कराया गया है। यातायात पुलिस के अनुसार बार-बार नियम तोड़ने वाले वाहन चालकों को चिन्हित कर उनके ड्राइविंग लाइसेंस और वाहन पंजीकरण निलंबन के लिए संबंधित परिवहन अधिकारियों को भी अनुशंसा भेजी जाएगी। डीसीपी यातायात योगेश गोयल ने वाहन स्वामियों से अपील की है कि वे अपने वाहनों के लंबित चालानों की समय पर जानकारी लेकर उनका निस्तारण करें। इसके लिए वाहन स्वामी ई-चालान और वर्चुअल कोर्ट की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर चालानों की स्थिति जांच सकते हैं। उन्होंने कहा कि सड़क पर लापरवाही और तेज रफ्तार न केवल चालक बल्कि अन्य लोगों के जीवन के लिए भी खतरा बनती है। ऐसे में यातायात नियमों का पालन करना सभी वाहन चालकों की जिम्मेदारी है। पुलिस का यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

फूड सेफ्टी टीम ने की 1300 किलो खाद्य सामग्री सीज

निसं

जयपुर (नवयत्न)। राज्य सरकार के शुद्ध आहार, मिलावट पर वार अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा विभाग ने मानसरोवर विस्तार स्थित एक फर्म पर बड़ी कार्रवाई करते हुए 1300 किलो खाद्य सामग्री सीज कर दी जबकि 450 किलो एक्सपायरी आटा और दाल मौके पर ही नष्ट करवाई गई। निरीक्षण के दौरान खाद्य सुरक्षा नियमों के कई उल्लंघन पाए गए जिसके चलते फर्म के खिलाफ नोटिस जारी कर अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी गई है। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण राजस्थान डॉ टी. शुभमंगला के निर्देश पर अतिरिक्त आयुक्त भगवत सिंह चारण के नेतृत्व में केंद्रीय दल तथा सीएमएचओ जयपुर द्वितीय की फूड सेफ्टी टीम ने संयुक्त रूप से गोल्यावास, गिर्राज नगर, मानसरोवर विस्तार स्थित मैसर्स आइकर्ट पर कार्रवाई की। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर द्वितीय डॉ मनीष मित्तल ने बताया कि निरीक्षण के दौरान ग्रोसरी गोदाम में दाल और चावल के कट्टों पर पैकिंग तिथि अंकित नहीं मिली। यह सामग्री पिकअप वाहन में लोड कर बाजार में सप्लाई के लिए भेजी जा रही थी। टीम ने मौके से मसूर दाल और चावल के नमूने लेकर 22 कट्टों को सीज कर दिया तथा बिना आवश्यक विवरण अंकित खाद्य सामग्री की बिक्री पर रोक लगाई। निरीक्षण के दौरान 450 किलो एक्सपायरी आटा और दाल भी मिली, जिसे मौके पर ही नष्ट करवाया गया।

ऑनलाइन ऑर्डर के लिए संचालित फल एवं सब्जी सेक्शन के कोल्ड रूम में कर्मचारियों द्वारा बिना शू-कवर के कार्य किया जा रहा था। यहां अत्यधिक गंदगी पाई गई और फल-सब्जियां सीधे फर्श पर रखी मिलीं। सफाई व्यवस्था भी संतोषजनक नहीं थी। होटल और रेस्टोरेंट सामग्री के गोदाम में नॉन-डेयरी क्रीम, मेयोनीज, केचअप और सॉस जैसी सामग्री टीनशेड में अत्यधिक तापमान के बीच बिना पैलेट के फर्श पर रखी मिली। इसे खाद्य सुरक्षा नियमों का उल्लंघन मानते हुए टीम ने नॉन-डेयरी क्रीम के दो नमूने लिए और जांच रिपोर्ट आने तक 500 मिलीलीटर की 950 बोतलों वाले 24 कार्टन सीज कर दिए। कन्फेक्शनरी गोदाम में बड़ी मात्रा में बाजार से लौटाया गया एक्सपायरी खाद्य पदार्थ भी मिला। विभाग ने इसे तत्काल निस्तारित करने के निर्देश दिए।

कार्रवाई के दौरान विभिन्न खाद्य पदार्थों के कुल सात नमूने लिए गए हैं, जिनकी जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फर्म परिसर में पाई गई विभिन्न अनियमितताओं को देखते हुए खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम की धारा 32 के तहत नोटिस जारी किया गया है। इस कार्रवाई में खाद्य सुरक्षा अधिकारी विनोद शर्मा, सुशील चोटवानी, विनोद थारवान, देवेंद्र राणावत, रमेश यादव, अमित शर्मा, लोकेश शर्मा और राजेश नागर शामिल रहे।

शिविर में पाककला एवं जागरूकता गतिविधियां आयोजित

निसं

श्रीमाधोपुर (नवयत्न)। श्री आदर्श महिला बीएड कॉलेज श्रीमाधोपुर में आयोजित एसयूपीडब्ल्यू शिविर के छठवें दिन छात्राध्यापिकाओं द्वारा उत्साहपूर्वक विभिन्न रचनात्मक एवं ज्ञानवर्धक गतिविधियों में भाग लिया।

शिविर प्रभारी बहादुर सिंह महला एवं शायर गढ़वाल ने बताया कि प्रथम सत्र में बिना चूल्हे के खाद्य एवं पेय पदार्थ निर्माण विषय पर पाककला प्रदर्शन आयोजित किया गया। छात्राध्यापिकाओं ने विविध स्वादिष्ट एवं पौष्टिक व्यंजनों का निर्माण कर अपनी रचनात्मकता एवं पाक-कौशल का परिचय दिया। प्रतियोगिता में ग्रुप सी ने प्रथम, ग्रुप बी ने द्वितीय तथा ग्रुप ए ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। धर्मपाल वर्मा के अनुसार द्वितीय सत्र में नारी जगत से संबंधित विभिन्न विषयों पर उपयोगी जानकारी प्रदान की गई। इस दौरान महिला स्वास्थ्य, शिक्षा, आत्मनिर्भरता, अधिकार एवं सामाजिक जागरूकता जैसे विषयों पर विचार-विमर्श किया गया, जिससे छात्राध्यापिकाओं को महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई। कार्यक्रम के अंत में मनोरंजनात्मक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसमें छात्राध्यापिकाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य सहित समस्त स्टाफ एवं छात्राध्यापिकाएँ उपस्थित रहीं।

शहरी निकायों में वार्डवार आयोजित होंगे शहरी सेवा शिविर

चूरू (नवयत्न)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा के निर्देशन में जिले के सभी नगरनिकायों में वार्डवार शहरी सेवा शिविर आयोजित किए जाएंगे। निर्धारित शेड्यूल के अनुसार 16 जून को चूरू नगरपरिषद परिसर में वार्ड संख्या 05 से 08 के लिए, 18 जून को वार्ड संख्या 09 से 12 तथा 19 जून को वार्ड संख्या 13 से 16 के लिए शहरी सेवा शिविर आयोजित किए जाएंगे। सुजानगढ़ नगरपरिषद कार्यालय में 15 जून को वार्ड संख्या 04 से 06 के लिए, 16 जून को वार्ड संख्या 07 से 09, 18 जून को वार्ड संख्या 10 से 12 तथा 19 जून को वार्ड संख्या 13 से 15 के लिए शहरी सेवा शिविर आयोजित किए जाएंगे। सरदारशहर नगरपरिषद में टाउन हॉल में 15 जून को वार्ड संख्या 04 व 05 के लिए, 16 जून को वार्ड संख्या 06 से 08, 18 जून को वार्ड संख्या 09 से 11 तथा 19 जून को वार्ड संख्या 12 से 14 के लिए शहरी सेवा शिविर आयोजित किए जाएंगे। इसी प्रकार बीदासर नगरपालिका कार्यालय में 15 जून को वार्ड संख्या 03 व 04 के लिएए 16 जून को वार्ड संख्या 05 व 06, 18 जून को वार्ड संख्या 07 व 08 तथा 19 जून को वार्ड संख्या 09 व 10 के लिए शहरी सेवा शिविर आयोजित किए जाएंगे। तारानगर नगरपालिका परिसर में 15 जून को वार्ड संख्या 03, 16 जून को वार्ड संख्या 04, 18 जून को वार्ड संख्या 05 तथा 19 जून को वार्ड संख्या 06 में शहरी सेवा शिविर आयोजित किए जाएंगे। रतननगर नगरपालिका कार्यालय में 15 व 16 जून को वार्ड संख्या 01 से 03 के लिए, 18 व 19 जून को वार्ड संख्या 04 से 06 के लिए शहरी सेवा शिविर आयोजित किए जाएंगे। छापर नगरपालिका मीटिंग हॉल में 15 जून को वार्ड संख्या 02 के लिए, 16 जून को वार्ड संख्या 03, 18 जून को वार्ड संख्या 04 तथा 19 जून को वार्ड संख्या 05 के लिए शहरी सेवा शिविर आयोजित किए जाएंगे। साहवा नगरपालिका कार्यालय में 15 जून को वार्ड संख्या 03, 16 जून को वार्ड संख्या 04, 18 जून को वार्ड संख्या 05 तथा 19 जून को वार्ड संख्या 06 के लिए शहरी सेवा शिविर आयोजित किए जाएंगे।

राजलेदसर नगरपालिका कार्यालय परिसर 15 जून को प्री कैंप, 16 जून को वार्ड संख्या 01 से 03, 18 जून को वार्ड संख्या 04 से 06 तथा 19 जून को वार्ड संख्या 07 से 09 के लिए शहरी सेवा शिविर आयोजित किए जाएंगे। रतनगढ़ नगरपालिका टाउन हॉल में 15 जून को प्री कैंप, 16 व 18 जून को वार्ड संख्या 1, 2, 3, 4 व 05 तथा 19 जून को वार्ड संख्या 06, 07, 08, 09 व 10 के लिए शहरी सेवा शिविर आयोजित किए जाएंगे। राजगढ़ नगरपालिका परिसर में 15 जून को वार्ड संख्या 01 से 05 के लिए तथा 16 जून को वार्ड संख्या 06 से 10 के लिए शहरी सेवा शिविर आयोजित किए जाएंगे।

उप स्वास्थ्य केंद्र का हुआ शिलान्यास

पिलानी (नवयत्न)। पिलानी विधानसभा क्षेत्र के बेरी गांव में उप स्वास्थ्य केंद्र के नवीन भवन निर्माण का शिलान्यास किया गया। इस मौके पर भाजपा नेता राजेश दहिया ने 52 लाख रुपये की लागत से बनने वाले उप स्वास्थ्य केंद्र की आधारशिला रखी और भूमि पूजन किया। दहिया ने कहा कि नए उप स्वास्थ्य केंद्र के निर्माण से स्थानीय क्षेत्र में चिकित्सा सेवाओं का विस्तार होगा और ग्रामीणों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। राजेश दहिया ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर का आभार व्यक्त किया। शिलान्यास कार्यक्रम में बेरी प्रशासक सुमन कंवर, दुधवा प्रशासक दलीप स्वामी, मंडल अध्यक्ष होशियार शर्मा, सुजडोला सरपंच कान्हू सिंह, मनफूल सिंह, गिरवर सिंह, सूरत सिंह पूनिया, नर सिंह, करण सिंह मास्टर, कैप्टेन बहादुर सिंह, मनीराम शर्मा, अजय थाकन, जगदीश सिंह, ओम धानक, संदीप सिंह, भूपेंद्र सिंह, भानी सिंह, बेदु सिंह, बनवारी प्रजापत, बिजेंद्र सिंह सहित अनेक ग्रामीण उपस्थित रहे।

पुलिस कमिश्नर ने जनसुनवाई कर दिए त्वरित निस्तारण के निर्देश

जयपुर (नवयत्न)। जयपुर पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने शनिवार को मालवीय नगर थाने में आयोजित जनसुनवाई के दौरान आमजन की समस्याएं सुनीं और कई मामलों का मौके पर ही समाधान कराया। शेष प्रकरणों के त्वरित एवं समयबद्ध निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। पुलिस कमिश्नर मित्तल ने कहा कि आमजन को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से थाना स्तर पर नियमित रूप से जनसुनवाई आयोजित की जा रही है। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित कर लोगों की समस्याओं का समाधान किया जा रहा है। जनसुनवाई में क्षेत्रवासियों ने आपसी विवाद, पारिवारिक मामलों, भूमि विवाद, मकानों पर कब्जे, अवैध कब्जे, चोरी, मारपीट तथा अन्य शिकायतें पुलिस आयुक्त के समक्ष रखीं। इस पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सभी प्रकरणों की निष्पक्ष जांच कर निर्धारित समयावधि में निस्तारण करने के निर्देश दिए। साथ ही परिवादियों की शिकायतों पर तुरंत प्रतिक्रिया देकर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। मालवीय नगर सर्किल के अंतर्गत मालवीय नगर, एयरपोर्ट, जवाहर सर्किल, खोह नागोरियान और बजाज नगर थाना क्षेत्रों से आए परिवादियों ने अपनी समस्याएं पुलिस आयुक्त के समक्ष रखीं और समाधान प्राप्त किया। जनसुनवाई की विशेषता यह रही कि कई शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया, जबकि समय लेने वाले मामलों के शीघ्र समाधान के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा.निर्देश दिए गए। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व कमिश्नर सचिन मित्तल एसीपी कार्यालय झोटवाड़ा, सामुदायिक भवन सांगानेर, पुलिस थाना शिप्रापथ, विद्याधर नगर, भांकरोटा, बस्सी, शिवदासपुरा, चौमू, आमेर, रामगंज एवं चित्रकूट में भी जनसुनवाई कर आमजन की समस्याओं का समाधान कर चुके हैं। इस अवसर पर विशेष पुलिस कमिश्नर ऑपरेशंस ओमप्रकाश, अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर अपराध अजय सिंह, पुलिस उपायुक्त पूर्वद्ध रंजीता शर्मा अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त पूर्वद्ध आलोक सिंघल, सहायक पुलिस आयुक्त मालवीय नगर विनोद कुमार शर्मा सहित संबंधित थाना प्रभारी एवं पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

जमादारों ने मांगा आयुक्त से वेतन

सुजानगढ़ (नवयत्न)। वेतन समय पर नहीं मिलने से परेशान जमादारों ने नगर परिषद के कार्यवाहक आयुक्त गिरधारी लाल पारीक को अपनी पीड़ा बताई। आयुक्त को समस्या बताते हुए जमादारों ने कहा कि बैंक की किश्तें समय पर वेतन नहीं मिलने के कारण पेनल्टी पर जा रही है, इसलिए जल्द से जल्द समस्या का समाधान किया जावे। नगर परिषद के आयुक्त गिरधारी लाल पारीक ने कहा कि अगले महीने सबसे पहले आपकी तनख्वाह के बिल बनाकर भेजे जाएंगे ताकि आपको किसी प्रकार की दिक्कत का सामना नहीं करना पड़े। इस दौरान अनेक जमादार मौजूद रहे।